www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper
bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

25.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 88.410g

चांदी 91.500 kg

2 विकास में राज्यों की जिम्मेदारी, देश के भविष्य को संवारने का बड़ा दायित्व

पुवायां में किसानों की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर महापंचायत 04

वर्ष :08 | अंक :244 | मुंबई ,मंगलवार , 25 फरवरी , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मनाली में हिमस्खलन की चपेट में आकर रूस के नागरिक की मौत

हिमाचल प्रदेश के मनाली में हिमस्खलन की चपेट में आकर रूस के एक नागरिक की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब पर्यटक डेनियल बार्बर (58) शनिवार को अपने साथी मैक्सिम और अन्य स्थानीय स्कीयर के साथ स्कीइंग कर रहा था और कुल्लू जिले में मनाली के पास कोठी में अचानक हिमस्खलन हो गया। हिमाचल पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पर्यटक को बर्फ के नीचे से निकाला और उसे मनाली के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में हाथियों ने सैकड़ों बीघा फसल को रौंदकर किया नष्ट

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के माला रेंज में दो जंगली हाथियों ने कई इलाकों में गेहूं और गन्ने की सैकड़ों बीघा फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया। माला रेंज के रेंजर रोबिन कुमार ने बताया कि नेपाल की तरफ से आए हाथियों के झुंड में शामिल दो हाथी अपने समूह से बिछड़कर पीलीभीत जिले के आबादी वाले क्षेत्र में आ गए। इन हाथियों ने सिरसा, सरदाह और गोयल कॉलोनी में गेहूं और गन्ने की सैकड़ों बीघा फसल को रौंद दिया। यह सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की टीम लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। किसानों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह पहला मौका नहीं है जब नेपाल से आए हाथियों ने इस क्षेत्र में दहशत फैलाई है। इससे पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है। ग्रामीण वन विभाग से इस समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग रहे हैं।

जंगलराज वाले महाकुंभ को दे रहे गाली :पीएम मोदी

बिहार में पीएम ने कहा- जो चारा खा जाते हैं, वह हालात नहीं बदल सकते; नीतीश लाडले सीएम

उद्घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर जिले से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

एजेंसी

पटना : प्रधानमंत्री ने भागलपुर से पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त के तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि महाकुंभ के समय में मंदराचल की इस धरती पर आना बड़ा सौभाग्य है। इस धरती में आस्था भी है, विरासत भी है और विकसित भारत का सामर्थ्य भी है। ये शहीद तिलका मांझी की धरती है और सिल्क सिटी भी है।नरेंद्र मोदी ने कहा कि बाबा अजगैबीनाथ की इस पावन धरा पर इस समय महाशिवरात्रि की भी तैयारियां चल रही हैं। ऐसे पवित्र समय में, मुझे पीएम किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों को भेजने का सौभाग्य मिला है। करीब 22 हजार करोड़ रुपये एक क्लिक पर देशभर के किसानों के खातों में पहुंचे हैं। उन्होंने दावा किया कि मैंने लाल किले से कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ हैं। ये स्तंभ हैं- गरीब, किसान, महिला और नौजवान !एनडीए सरकार, चाहे केमोदी ने कहा कि किसान को खेती के लिए अच्छे बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद चाहिए, सिंचाई की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा चाहिए। पहले इन सभी पहलुओं को लेकर किसान संकट से घिरा रहता था। जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं, वो इन स्थितियों को कभी नहीं बदल सकते हैं। एनडीए सरकार ने इन स्थितियों को बदला है।

मोदी के स्पीच की बड़ी बातें

- मैंने लालकिले से कहा है, विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ हैं- गरीब, अन्नदाता किसान, हमारे युवा और हमारे देश की नारी। चाहे केंद्र हो या यहां नीतीश के नेतृत्व में चल रही एनडीए की सरकार हो, किसान हमारी प्राथमिकता हैं।
- मोदी ने कहा- 'खाद की बोरी जो 3 हजार रुपए की मिलती है, वो हम आपको 300 रुपए में देते हैं। हमारी सरकार न होती तो आज भी 3 हजार में मिलती। हमारी सरकार किसानों के लिए सोचती है। बीते 10 साल में करीब 12 लाख करोड़ रुपए जो आपके खाते से खाद खरीदने के लिए देने थे, वो केंद्र ने बजट में दिए हैं।'

भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों, टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी की बड़ी भूमिका: मोदी

भोपाल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इस बात पर जोर दिया कि भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों, टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है।श्री मोदी राजधानी भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समेत देश-विदेश के कई ख्यातिप्राप्त उद्योगपति और कई देशों के राजदूत समारोह में उपस्थित रहे।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है।

विजेंद्र गुप्ता बने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष

बीजेपी ने हटाई आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें, आतिशी का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दलित विरोधी और सिख विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया है। आतिशी के नेतृत्व में आप विधायकों ने विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली में भाजपा की नई सरकार ने सीएम कार्यालय से डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटा दीं। आतिशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आज देश को अपना दलित और सिख विरोधी चेहरा दिखाया है। आप नेता ने कहा कि सत्ता में आते ही उन्होंने सीएम कार्यालय से डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटा दीं। क्या बीजेपी सोचती है कि पीएम नरेंद्र मोदी जी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह से भी बड़े हैं? आप के आरोपों पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह बाबा साहब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह के पीछे अपने भ्रष्टाचार और कुकर्मों को छिपाने की उनकी रणनीति है।

> आतिशी के नेतृत्व में आप विधायकों ने विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली में भाजपा की नई सरकार ने सीएम कार्यालय से डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटा दीं।

राजस्थान विधानसभा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भारी विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने लगाए बैरिकेड्स

विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस विधायकों ने टिप्पणी पर आपत्ति जताई और वेल में आ गए और मंत्री से माफी की मांग की। तीन बार के स्थगन के बाद शाम चार बजे सदन दोबारा शुरू हुआ तो सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया।

एजेंसी

राजस्थान ,इंदिरा गांधी के संबंध में भाजपा मंत्री के बयान के बाद पार्टी के छह विधायकों को निलंबित किए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा के बाहर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं और सुरक्षा बढ़ा दी है। कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके चलते पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा शुक्रवार को विधानसभा में विपक्षी बेंच की ओर इशारा करते हुए 'आपकी दादी' टिप्पणी के बाद विपक्ष भड़क गया।

मंत्री ने कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 2023-24 के बजट में भी, हमेशा की तरह, आपने (कामकाजी महिला छात्रावास पर) योजना का नाम अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर रखा। कांग्रेस विधायकों ने टिप्पणी पर आपत्ति जताई और वेल में आ गए और मंत्री से माफी की मांग की। तीन बार के स्थगन के बाद शाम चार बजे सदन दोबारा शुरू हुआ तो सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया।

उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी हदें पार कर दीं और उनका आचरण अध्यक्ष के प्रति अनुचित था।

गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को मिली गंदगी , जिसने जो तलाशा उसको....

महाकुंभ को लेकर विपक्ष पर बरसे सीएम योगी

सीएम ने कहा कि सोशल मीडिया हैंडल पर एक सज्जन ने महाकुम्भ का विरोध करने वालों पर बहुत ही सटीक टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि पिछले डेढ़ महीने में आप वामपंथियों और समाजवादियों की वॉल खंगाल लीजिए, वहां महाकुंभ को लेकर विषवमन के अलावा कुछ नहीं दिखेगा।

एजेंसी

- सीएम ने की समाजवादी पार्टी की खिंचाई, बोले, समाजवादी से सनातनी हो गए हैं नेता प्रतिपक्ष
- जिन महापुरुषों ने भी भारत में जन्म लिया, मैं उन सभी को मानता हूं: सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विधानसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता ने समाजवादी से सनातन धर्म अपनाने की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने इस वैचारिक बदलाव को देखकर संतोष व्यक्त किया और शासन में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चा के दौरान 146 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें सत्ता पक्ष के 98 और विपक्ष के 48 सदस्य शामिल थे। नेता प्रतिपक्ष के सवालों पर सीएम ने जवाब देते हुए कहा कि जिन महापुरुषों ने भी भारत में जन्म लिया, मैं उन सभी को मानता हूं। मैं बुद्ध, जैन परंपरा (सभी तीर्थंकरों) को मानता हूं। हम लोग सनातन धर्म के साथ-साथ बौद्ध तीर्थस्थलों के पुनरोद्धार व सुंदरीकरण का कार्य कर रहे हैं। भारत के प्रति सम्मान का भाव रखने वाले और सनातन परंपरा में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भूमिका रखने वाले सभी पंथ-संप्रदाय (बौद्ध, जैन, सिख) का हम सम्मान करते हैं। गुरु गोविंद सिंह के चार-चार पुत्रों की शहादत के प्रति सम्मान का भाव ही है कि पीएम मोदी ने 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में घोषित किया है। पहली बार गुरुवाणी का पाठ निरंतर मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है।

महाराष्ट्र साइबर सेल के सामने पेश हुए इलहाबादिया-चंचलानी

दर्ज कराया अपना बयान

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अब हटाए गए वीडियो में अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर यूट्यूबर्स रणवीर अल्लाहबादिया, शरण रैना और अपूर्वा मुखीजा को भी समन जारी किया है।

एजेंसी

महाराष्ट्र ,यूट्यूबर्स रणवीर अल्लाहबादिया और आशीष चंचलानी इंडियाज गॉट लेटेंट मामले में अपने बयान दर्ज कराने के लिए सोमवार को महाराष्ट्र साइबर सेल मुख्यालय में पेश हुए। 17 फरवरी को, साइबर सेल ने समय रैना के शो में माता-पिता को लेकर की गई टिप्पणी के संबंध में पूछताछ के लिए 24 फरवरी को अल्लाहबादिया को समन जारी किया था। इस टिप्पणी की सोशल मीडिया और देश भर में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। इस टिप्पणी की सुप्रीम कोर्ट ने भी निंदा की थी। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अब हटाए गए वीडियो में अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर यूट्यूबर्स रणवीर अल्लाहबादिया, शरण रैना और अपूर्वा मुखीजा को भी समन जारी किया है।

तेलंगाना सुरंग हादसा: मंत्री राव ने कहा कि अंदर फंसे हुए आठ लोगों के बचने की संभावना बहुत कम

अंदरपानी भरा:सिलक्यारा ऑपरेशन टीम भी 8 लोगों के रेस्क्यू में जुटी

तेलंगाना में श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निमार्णाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने से आठ व्यक्ति अंदर फंस गए हैं.

एजेंसी

नागरकुरनूल: तेलंगाना के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सोमवार को कहा कि दो दिन पहले श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के निमार्णाधीन खंड के आंशिक रूप से ढहने के बाद उसमें फंस गए आठ लोगों के बचने की संभावना अब 'बहुत कम' है, हालांकि उन तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं.उन्होंने यह भी बताया कि 2023 में उत्तराखंड में 'सिल्कयारा बेंड-बरकोट' सुरंग में फंसे निर्माण श्रमिकों को बचाने वाले 'रैट माइनर्स' (हाथ से पर्वतीय क्षेत्रों की खुदाई करने में महारत रखने वाले व्यक्ति) की एक टीम लोगों को निकालने के लिए बचाव दल में शामिल हो गई है. मंत्री ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने में कम से कम तीन से चार दिन लगेंगे, क्योंकि दुर्घटना स्थल कीचड़ और मलबे से भरा हुआ है जिससे बचाव दल के लिए यह एक मुश्किल काम बन गया है. उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो उनके बचने की संभावना बहुत, बहुत, बहुत, बहुत कम है क्योंकि मैं खुद उस आखिर छोर तक गया था जो (दुर्घटना स्थल से) लगभग 50 मीटर दूर था।

कचरे के स्रोत पर ही उसे अलग करना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण : सुप्रीम कोर्ट

> प्रदूषण मामले में न्यायमित्र एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने एनसीआर में ठोस अपशिष्टप्रबंधन का उल्लेख किया तथा कम मात्रा में अपशिष्ट को अलग किये जाने पर चिंता जताई।

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि कचरे के स्रोत पर ही उसे अलग करना पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के राज्यों से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के अनुपालन के बारे में भी पूछा।न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि 2016 के नियमों का पालन न करने से देश के सभी शहर प्रभावित हुए हैं। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, एक आदेश में हमने पाया है कि सभी स्मार्ट सिटी परियोजनाएं प्रगति पर हैं। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुपालन के बिना शहर स्मार्ट कैसे बन सकते हैं?

मांग महिलाओं को 2500 रुपये की सहायता देने की मांग की

सीएम कार्यालय के बाहर आप विधायकों का प्रदर्शन

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में नई कैबिनेट का पहला सत्र रेखा गुप्ता के विधायक के रूप में शपथ लेने के साथ शुरू होने के तुरंत बाद, आतिशी और कुछ अन्य विधायकों सहित विपक्षी नेताओं ने मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और महिला लाभार्थियों को 2,500 रुपये की सहायता की मांग की। आतिशी ने कहा कि हमने पिछले 2 दिनों से मुख्यमंत्री से समय मांगा था, हमें 2 दिनों तक समय नहीं मिला और आज हम सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी से मिलने गए और हमने उन्हें बताया कि पहली कैबिनेट में जो वादा किया गया था, मोदी जी ने जो गारंटी दी थी, वह वादा टूट गया है, वह गारंटी झूठी साबित हुई है। आप नेता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि 8 मार्च को दिल्ली की हर महिला के खाते में महिला सम्मान योजना की 2500 रुपये की पहली किस्त जरूर आ जाएगी। यह विरोध रेखा गुप्ता के उस आरोप के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि पिछली आप सरकार ने भाजपा सरकार से पहले खाली सरकारी खजाना छोड़ दिया था, और आश्वासन दिया था कि महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक भुगतान योजना को विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा। गुप्ता की पूर्ववर्ती आतिशी ने पलटवार करते हुए कहा कि दस साल बाद आप शासन ने भाजपा को "राजकोषीय रूप से मजबूत" सरकार सौंपी। उन्होंने कहा कि पार्टी को बहाने बनाने के बजाय अपने वादों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। गुप्ता ने नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा के सोमवार को होने वाले पहले सत्र से पहले राज्य पार्टी कार्यालय में अन्य भाजपा विधायकों के साथ एक बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला समृद्धि योजना के कार्यान्वयन पर अधिकारियों के साथ कई चरणों की बैठकें हो चुकी हैं, जिसके तहत दिल्ली में पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाना है। आतिशी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें कोई आश्वासन नहीं दिया और केवल इतना कहा कि वह आठ मार्च तक अपना वादा पूरा करने की पूरी कोशिश कर रही हैं। नवगठित दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र के शुरू होने के दौरान सोमवार को यह प्रदर्शन हुआ। दिल्ली में 26 साल के अंतराल के बाद सत्ता में भाजपा की वापसी हुई है।

> आतिशी ने कहा कि हमने पिछले 2 दिनों से मुख्यमंत्री से समय मांगा था, हमें 2 दिनों तक समय नहीं मिला और आज हम सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी से मिलने गए और हमने उन्हें बताया कि पहली कैबिनेट में जो वादा किया गया था, मोदी जी ने जो गारंटी दी थी, वह वादा टूट गया है, वह गारंटी झूठी साबित हुई है।

अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत, 25 फरवरी तक बढ़ी गिरफ्तारी पर रोक

एजेंसी

नयी दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आप विधायक अमानतुल्ला खान की सुरक्षा मंगलवार 25 फरवरी तक बढ़ा दी है। अदालत ने मामले को जरूरत पड़ने पर कल अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसे आप विधायक से पूछताछ करने के लिए उनकी हिरासत की जरूरत है कि वह मौके पर मौजूद थे या नहीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान अदालत में विचारार्थ दाखिल किये। उनके खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम को बाधित किया था जो शावेज खान को गिरफ्तार करने के लिए इलाके में गई थी, जिसे घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था और कथित तौर पर जामिया नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज 2018 की एफआईआर में वांछित था। इससे पहले दिल्ली के जामिया नगर में 10 फरवरी को पुलिस टीम पर कथित रूप से हमला करने के मामले में समन मिलने के बाद आप विधायक अमानतुल्ला खान पुलिस के सामने पेश हुए थे। दिल्ली की एक अदालत ने 24 फरवरी तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

> सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसे आप विधायक से पूछताछ करने के लिए उनकी हिरासत की जरूरत है कि वह मौके पर मौजूद थे या नहीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान अदालत में विचारार्थ दाखिल किये।

सम्पादकीय

भाजपा में मुख्यमंत्री चयन की कसौटी, अनुभवी एवं परीक्षित लोगों की टीम खड़ी करने की कोशिश

दिल्ली में भाजपा नेतृत्व द्वारा मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का चयन उसी वैचारिक और सांगठनिक पुनर्निर्माण प्रक्रिया की कड़ी है, जिसके अंतर्गत पिछले काफी समय से मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। दिल्ली में निर्वाचित विधायकों में से कई अनुभव, कद और पहचान में रेखा गुप्ता से ज्यादा वजनदार नजर आएंगे। इसके बावजूद मुख्यमंत्री का चयन अलग तरह से हो रहा है तो इसके पीछे नेतृत्व, संगठन और दिशा की दृष्टि से दूरगामी योजनाएं होंगी। राजनीतिक विश्लेषकों की सामान्य टिप्पणी होती है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा हमेशा चौंकाती है, मगर क्या वाकई उनके निर्णय चौंकाने वाले होते हैं? महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस को छोड़ दें तो राजस्थान में भजनलाल शर्मा, मध्य प्रदेश में मोहन यादव, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, ओडिशा के मोहन चरण माझी आदि के बारे में कल्पना नहीं थी कि वे मुख्यमंत्री बन सकते हैं। फडणवीस 2024 में अवश्य मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे, किंतु जब उन्हें 2014 में लाया गया था, तब उनके सीएम बनने की संभावना बेहद कम थी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बारे में भी कल्पना नहीं थी। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद योगी आदित्यनाथ का नाम नहीं था। उन्हें विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ाया गया था। इस दृष्टि से देखने पर नेतृत्व के चयन के पीछे का सोच काफी स्पष्ट हो जाता है। उन्हें कुछ फैसले बदलने भी पड़े लेकिन निष्कर्ष यही निकलता है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने रहते राष्ट्रीय और राज्य के स्तर पर पार्टी को भविष्य की दृष्टि से लंबे समय तक काम करने वाले अनुभवी और परीक्षित लोगों की टीम खड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में लंबे समय से हम शीर्ष पर जाने-पहचाने चेहरे देखने के अभ्यस्त थे, इसलिए भाजपा के निर्णय चौंकाते हैं, पर इन निर्णयों में एक निरंतरता, तारतम्यता, वैचारिक और सांगठनिक दृष्टि दिखाई देती है। कोई इसे तात्कालिक निर्णय मान ले तो समस्या उसकी है। महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा को छोड़ दें तो अधिकतर मुख्यमंत्री या प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि से भाजपा में आए। यानी गैर-वैचारिक, गैर-सांगठनिक लोगों को जगह नहीं दी गई। उपमुख्यमंत्रियों में भी बिहार में सम्राट चौधरी के अलावा ऐसा नाम नहीं दिखेगा, जिसकी वैचारिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि भाजपा से अलग हो। इससे समझा जा सकता है कि नेतृत्व सतही या तत्कालिकता के अनुसार निर्णय नहीं करता। मोदी सरकार ने हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्र भाव, सभ्यता-संस्कृति-अध्यात्म आदि के अनुरूप आंतरिक एवं विदेश नीति के मामले में अकल्पनीय काम किया है। स्वाभाविक ही नेतृत्व चयन में इससे परे दृष्टि नहीं जा सकती। यह स्मरण करें कि प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय क्षितिज पर आविर्भाव के समय भाजपा की स्थिति क्या थी? 2004 में पराजय के बाद ही नहीं, 2000 से ही भाजपा के अंदर आंतरिक कलह, उथल-पुथल की स्थिति थी।

आज का विचार

राशिफल

मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष : वृष आज कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

मिथुन : आज ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

कन्या : आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

तुला : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक : आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

धनु : आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

मकर : आज शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्त्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ : आज आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मीन : आज विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विकास में राज्यों की जिम्मेदारी, देश के भविष्य को संवारने का बड़ा दायित्व

समय आ गया है कि आम जन से लेकर मीडिया भी राज्य सरकारों की जवाबदेही को बढ़ाएं। अब सिर्फ मुफ्त सुविधाओं की आड़ में काम चलाने के सिलसिले को जारी नहीं रखा जा सकता। राज्य सरकारों को भी तरक्की की राह में अपनी भूमिका के साथ न्याय करना होगा। एक नागरिक मतदाता और करदाता के रूप में हमें भी उनके कमतर प्रयासों से संतुष्ट नहीं रहना होगा।

केंद्रीय बजट को मुख्यधारा के मीडिया से लेकर इंटरनेट मीडिया और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा मिलती है। जबकि राज्यों के बजट को उतना महत्व नहीं मिलता। चूंकि इन दिनों राज्यों के बजट पेश हो रहे हैं, इसलिए यह सवाल उठ रहा है, क्योंकि उन पर कहीं उतनी चर्चा सुनाई नहीं पड़ रही। इस बीच हमें यह नहीं भूलना होगा देश संघीय ढांचे के अनुसार चलता है, जहां राज्यों के पास अहम जिम्मेदारियां हैं। हैरानी की बात है कि आम जन से लेकर उद्योग संगठन राज्यों के नीतिगत क्रियाकलापों को लेकर उदासीन रहते हैं और यही बात मीडिया के एक तबके के लिए भी कही जा सकती है। राज्यों की राजनीति में नए प्रयोगों के लिहाज से उन पर नजर रखना और जरूरी हो गया है, क्योंकि ये प्रयोग आर्थिकी पर भी असर करते हैं। किसी भी लोकतंत्र में सत्ता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बना रहना चाहिए। राज्यों का सिर्फ सत्ता से उभरने वाली ताकत का इस्तेमाल और अपनी जिम्मेदारियों से मुकरना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। राज्य सिर्फ मुफ्त की रियायतें देकर नहीं चल सकते। उन्हें अपने राज्य में जीवन एवं कामकाज को सुगम बनाने के लिए बड़े बदलाव भी करने होंगे। क्या हम सार्थक और अच्छे वेतन वाली नौकरियों के बिना प्रत्येक भारतीय के लिए बेहतर जीवन स्तर प्राप्त कर सकते हैं? बिल्कुल नहीं। हर भारतीय के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का रास्ता अच्छे और ठोस रोजगारों से ही गुजरता है और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का मजबूत होना

रोजगार बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन भारत में मैन्यूफैक्चरिंग दूसरे एशियाई देशों जितना तेजी से क्यों नहीं बढ़ रहा? किसी भी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी को जरूरी छह चीजें चाहिए-जमीन, मजदूर (लेबर), पूंजी, बिजली, परिवहन और उत्पादन बढ़ाने की आजादी यानी स्केल। इनमें से पांच-जमीन, मजदूर, बिजली, परिवहन और स्केल सीधे-सीधे राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। फिर भी कितनी राज्य सरकारों ने इन चीजों में सुधार को प्राथमिकता दी हैं? बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने के बजाय राज्य सरकारों ने इन क्षेत्रों में कई दिक्कतें बनी रहने दी हैं। जमीन खरीदने में बड़े झंझट, कागजी कार्रवाई और भ्रष्टाचार की वजह से दाम बहुत बढ़ जाते हैं। पुराने और कालबाह्य श्रम कानूनों के कारण नई भर्तियां मुश्किल हैं। किसानों को मुफ्त बिजली देने की वजह से उद्योगों को मिलने वाली बिजली महंगी पड़ती है। शहरों में परिवहन के मोर्चे पर कायम समस्याओं के चलते ढुलाई मुश्किल और महंगी है। अनावश्यक कागजी कार्रवाई की वजह से छोटे और मझोले उद्योगों को आगे बढ़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। स्केल न बढ़ पाने के चलते उनकी औसत लागत ऊंची रहती है और वे उपलब्ध आर्थिक अवसरों का समुचित लाभ नहीं उठा पाते। उत्पादन महंगा होने ये उद्यम अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में भी पिछड़ जाते हैं। इससे पर्याप्त मात्रा में रोजगार के अवसर सृजित नहीं हो पाते और निवेश भी आकर्षित नहीं हो पाता। मैन्यूफैक्चरिंग में भारत अगर अपेक्षित स्तर नहीं हासिल कर पा रहा तो उसके लिए राज्यों की भूमिका को अनदेखा नहीं किया जा सकता, क्योंकि मैन्यूफैक्चरिंग के लिए आवश्यक छह में से पांच पहलुओं की कमान राज्यों के हाथ में है। राज्यों के हाथ में देश का भविष्य संवारने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें अपने यहां उद्योग और रोजगार बढ़ाने के रास्ते में आने वाली अड़चनें दूर करनी चाहिए। निवेश लाना चाहिए और लोगों को रोजगार दिलाने चाहिए। रोजगार के मामले में तरह-तरह के आरक्षण संबंधी प्रविधानों और स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने वाले दबावों से निपटना चाहिए, क्योंकि ऐसे पहलू निवेशकों को प्रभावित करते हैं। यह भी किसी से छिपा नहीं कि भारत में अधिकांश काला धन और भ्रष्टाचार रियल एस्टेट से जुड़ा है। जमीन की कीमतों में हेरफेर, जमीन के कागज सही न होना, इन सबसे अवैध कमाई होती है और जनता का भरोसा टूटता है। राज्यों के मुख्यमंत्री साफ-सुथरे जमीन रिकार्ड, डिजिटल लेनदेन और रियल एस्टेट में साफ-सुथरी व्यवस्था क्यों नहीं लागू करते? ये सवाल उठने चाहिए, क्योंकि जमीन उत्पादन का एक आधारभूत तत्व है। आम जनता भी अपने राज्य की सरकारों से कड़े सवाल नहीं करती। याद कीजिए कि आपने आखिरी बार अपने मुख्यमंत्री से रोजगार, शहर के परिवहन ढांचे और व्यवस्था या अपने शहर में सुखपूर्वक रहने की सुविधा के बारे में कब सवाल किया था? या शहरों के बेतरतीब विस्तार के बारे में कब सवाल उठाए? हर राज्य सरकार जब बजट पेश करे तो हमें हर संभव तरीके से सवाल पूछने चाहिए। मसलन पिछले साल राज्य में कितनी नई नौकरियां बनीं? कारोबारी सुगमता में राज्य ने कितनी प्रगति की? इस साल बजट में कौन से सुधारों की घोषणा की गई है ताकि नौकरियों के अवसर बढ़ें? गूगल मैप्स पर देखे जाने वाले सफर के औसतन समय में कितना सुधार हुआ है? सफर को सुगम बनाने एवं उसमें समय की कटौती के लिए बजट में क्या प्रविधान किए गए हैं। आम जन की तरह सीआइआइ, फिक्की और एसोचैम जैसे उद्योग संगठनों को भी राज्य इकाइयों के जरिये प्रदेश के बजट पर चर्चा करते हुए सवाल उठाने चाहिए। जैसे जमीन खरीद को सुगम बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए? नए उद्यमों को प्रोत्साहन देने के लिए कौन-कौन सी प्रक्रियाएं आसान बनाई गईं? राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए कौन सी नीतियां अपनाने की तैयारी है? समय आ गया है कि आम जन से लेकर मीडिया भी राज्य सरकारों की जवाबदेही को बढ़ाएं। अब सिर्फ मुफ्त सुविधाओं की आड़ में काम चलाने के सिलसिले को जारी नहीं रखा जा सकता। राज्य सरकारों को भी तरक्की की राह में अपनी भूमिका के साथ न्याय करना होगा। एक नागरिक, मतदाता और करदाता के रूप में हमें भी उनके कमतर प्रयासों से संतुष्ट नहीं रहना होगा। राज्य सरकारें नाकाम रहेंगी तो अंततः नुकसान हमारा ही होगा। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का काम राज्यों की सार्थक भूमिका के बिना संभव नहीं होगा।

महिलाओं को आगे बढ़ाने की धुंधली कोशिशें

संजीव ठाकुर

निश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है और नई सुबह ज्यादा चमकदार और उजाले से भरपूर होती है भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा था इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

शिवराज सिंह चौहान की कष्टप्रद हवाई यात्रा और प्रधानमंत्री का मध्यप्रदेश दौरा

(पवन वर्मा-विनायक फीचर्स)

मैं शिवराज सिंह चौहान ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा, मैं भारत की प्रभुता और अखण्डता अक्षुण्ण रखूंगा। मैं संघ के मंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से निर्वहन करूंगा। तथा मैं भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना सभी प्रकार के लोगों के प्रति संविधान और विधि के अनुसार न्याय करूंगा। मैं शिवराज सिंह चौहान ईश्वर की शपथ लेता हूं कि जो विषय संघ के मंत्री के रूप में मेरे विचार के लिए लाया जाएगा अथवा मुझे ज्ञात होगा उसे किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को तब तक के सिवाय जब कि ऐसे मंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों के सम्यक निर्वहन के लिए ऐसा करना अपेक्षित हो, मैं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में संसूचित या प्रगट नहीं करूंगा।यह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पद और गोपनीयता की वह शपथ है, जो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल होने के समय ली थी, लेकिन हाल ही में उनकी भोपाल से दिल्ली तक की यात्रा में वे संभवतः इस शपथ का पालन करने में क्या चूक कर गए हैं? यह सवाल सोशल मीडिया से लेकर भोपाल से दिल्ली और देश के कई प्रांतों के राजनैतिक गलियारों में घूमने लगा है। यहां उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित हो रही ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में शामिल होने मध्यप्रदेश आ रहे हैं। निवेशकों और प्रधानमंत्री के इस बहुचर्चित सम्मेलन के ठीक एक दिन पहले शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार यानि 22 फरवरी को सोशल मीडिया एक्स और फेसबुक पर पोस्ट लिखी। जिसमें उन्होंने लिखा कि आज मुझे भोपाल से दिल्ली आना था, पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरूक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों से चर्चा करनी है। मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक ए 4136 में टिकट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8 सी आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था। जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थीं तो आवंटित क्यों की, उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि सीठ ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें है। सहयात्रियों ने मुझे बहुत आग्रह किया कि मैं उनसे सीट बदल कर अच्छी सीट पर बैठ जांऊ, लेकिन मैं अपने लिए किसी और मित्र को तकलीफ क्यों दूं, मैंने फैसला किया कि मैं इसी सीट पर बैठकर अपनी यात्रा पूरी करूंगा। मेरी धारणा थी कि टाटा प्रबंधन के हाथ में लेने के बाद एयर इंडिया की सेवा बेहतर हुई होगी, लेकिन ये मेरा भ्रम निकला। मुझे बैठने में कष्ट की चिंता नहीं है लेकिन यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है। क्या ये यात्रियों के साथ धोखा नहीं है। अब चर्चा यह है कि यदि शिवराज सिंह चौहान चाहते तो यह बात उड्डयन मंत्री को फोन पर भी बता सकते थे,उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों से भी सीधे शिकायत कर सकते थे। केंद्रीय मंत्री के रूप में उनके द्वारा ली गई शपथ भी यही कहती है कि केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्हें जो ज्ञात होगा उसे किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को तब तक के सिवाय जब कि ऐसे मंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों के सम्यक निर्वहन के लिए ऐसा करना अपेक्षित हो, वे उसे प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में संसूचित या प्रगट नहीं करेगें। लेकिन सार्वजनिक रुप से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस मामले को रखने के बाद अब यही कहा जा रहा है कि शिवराज सिंह चौहान ने अपने न सही लेकिन दूसरे केंद्रीय मंत्री के विभाग की पोल सार्वजनिक रूप से खोल दी है।

लंबे समय बाद उद्धव ठाकरे से मिले राज ठाकरे

- मुंबई मे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की मुलाकात
- शादी कार्यक्रम में दोनों भाईयों के बीच हुई बातचीत
- उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे भी रहीं मौजूद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शादी समारोह में हुई मुलाकात

मुंबईः महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की मुलाकात सामने आई है। इसके बाद अटकलें शुरू हो गई हैं कि दोनों भाई एक होंगे। मुंबई में एक शादी समारोह में राज ठाकरे की मुलाकात उद्धव ठाकरे से हुई। इस मौके पर उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे भी मौजूद थीं। जैसे ही दोनों भाईयों का आमना-सामना हुआ। तमाम कैमरे चमक उठे। इससे पहले एक शादी कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पहुंचे थे, लेकिन तब दोनों की बातचीत नहीं हुई थी। उस शादी में राज ठाकरे से रश्मि ठाकरे की बातचीत हुई थी। तब कहा गया था कि क्या भाभी दोनों भाईयों के बीच टूटे रिश्ते के तारों को जोड़ पांएगी?

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सुप्रीमो राज ठाकरे की अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे से मुलाकात महेंद्र कल्याणकर के बेटे की शादी में हुई। दोनों की सार्वजनिक बातचीत और मुलाकात ऐसे वक्त पर सामने आई है जब दोनों भाईयों के बीच मतभेद दूर करने की कवायद चल रही है। मनसे और शिवसेना यूबीटी में काफी नेताओं और कार्यकताओं का मानना है कि दोनों भाईयों को महाराष्ट्र के लिए एक साथ आना चाहिए। यह मुलाकात इसलिए भी अहम है क्योंकि महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने वाले हैं। दोनों चचेरे भाईयों के बीच राजनीतिक दूरियां काफी समय से हैं। यह मुलाकात अंधेरी में हुई।

एकनाथ शिंदे ने त्रिवेणी संगम में लगाई डुबकी, मोदी-योगी की खूब की तारीफ

शिंदे ने कहा कि यहां का महाकुंभ बहुत अद्भुत है। यह सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का महाकुंभ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मैं उन्हें धन्यवाद दूंगा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

- महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पहुंचे प्रयागराज
- संगम में मंत्रियों के साथ में लगाई महाकुंभ में डुबकी
- शिंदे बोले, महाकुंभ सनातन संस्कृति के गौरव का प्रतीक

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने अपने परिवार के साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि यहां आना एक अद्भुत अनुभव है। यह आस्था और सद्भाव की भूमि है। हमने आज त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई है। यह महाकुंभ पवित्र है और 144 साल बाद हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यहां व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। खुद सीएम समेत यूपी सरकार की पूरी टीम इसमें लगी हुई है। मैं पीएम मोदी को भी उनके विजन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। शिंदे ने कहा कि यहां का महाकुंभ बहुत अद्भुत है। यह सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का महाकुंभ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मैं उन्हें धन्यवाद दूंगा। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम प्रयागराज महाकुंभ में आम श्रद्धालुओं के साथ ही बॉलीवुड और राजनीतिक क्षेत्र से लोगों का आना जारी है। सोमवार को बॉलीवुड अभिनेता अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने संगम में डुबकी लगाई। राजनीतिक क्षेत्र से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पर्यावरण मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे ने संगम में स्नान किया। इनके अलावा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई। संगम में स्नान के बाद अक्षय कुमार ने कहा, मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथको धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। सोनाली बेंद्रे ने सपरिवार त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद कहा कि महाकुंभ में आकर उन्हें अपार शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ तथा इस दिव्य आयोजन में शामिल होकर भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिकता को और उन्होंने करीब से महसूस किया।

फास्ट ट्रैक

मराठी साहित्य सम्मेलन विवाद! संजय राउत का पलटवार, कहा, 'शरद पवार भी बराबर के जिम्मेदार'

संजय राउत ने कहा कि, दिल्ली मराठी साहित्य सम्मेलन में हुए राजनीतिक विवाद के लिए शरद पवार भी बराबर के जिम्मेदार है.

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः दिल्ली में आयोजित 98वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन अब समाप्त हो गया है. हालांकि यह सम्मेलन अब वहां मौजूद लेखकों या किताबों की वजह से नहीं, बल्कि राजनीति की वजह से चर्चा में आ गया है. इस सम्मेलन में 'हमारे साथ ऐसा ही हुआ' शीर्षक से एक चर्चा संगोष्ठी का आयोजन किया गया था. इसमें शिवसेना नेता और विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे का इंटरव्यू लिया गया. इस दौरान नीलम गोरहे ने उद्धव ठाकरे पर गंभीर आरोप लगाए. इन आरोपों का शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की तरफ जवाब आया है.

संजय राउत ने क्या कहा?

मुंबई में मीडिया से बातचीत करते हुए संजय राउत ने सवाल किया कि, क्या महाराष्ट्र के प्रमुख नेताओं पर कीचड़ उछालने के लिए एक साहित्य सम्मेलन आयोजित किया था. मराठी साहित्य महामंडल, यानी सरकार ने दो करोड़ रुपये दिए और फिर उन्होंने इसमें से 25 लाख रुपये ले लिए. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि, उन्हें नहीं पता कि, मराठी साहित्य में उनका (नीलम गोरहे) का क्या योगदान है.संजय राउत ने आगे कहा, ₹अब तक, हम साहित्य सम्मेलन और साहित्य के बारे में बात नहीं कर रहे थे. हालांकि, इस मंच का दुरुपयोग किया गया... याद रखें, हम भी लेखक हैं और हम साहित्य भी जानते हैं. इसलिए, साहित्य मंडल को इस सब के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए.₹उन्होंने मीडिया से आगे कहा, ₹यदि आप विधान परिषद में इसे समझना चाहते हैं, तो पुणे नगर निगम में हमारे समूह के नेता अशोक हरनाल का इंटरव्यू लें. यह पता चल जाएगा कि किसके नाम पर इस महिला (नीलम गोरहे) ने करोड़ों रुपये एकत्र किए. उन्हें पता चल जाएगा कि यह मर्सिडीज मामला क्या है.संजय राउत ने आगे कहा कि, नासिक के पूर्व महापौर और स्थानीय शिवसेना नेता विनायक पांडे से पूछें कि इस महिला ने उन्हें नामित करने के लिए कितने पैसे लिए थे. इंटरव्यू में यह भी पूछा जाना चाहिए कि, विनायक पांडे ने उस महिला से पैसे कैसे लिए? मैं अगले दो दिनों में और नाम बताऊंगा.₹शरद पवार पर संजय राउत का निशाना संजय राउत ने कहा, ₹आप किसे 'गलत' कह रहे हैं? मातोश्री पर? आप ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पार्टी ने आपको (नीलम गोरहे) चार बार विधायक और उपसभापति बनाया है. मुझे नहीं पता कि शरद पवार ने इस साक्षात्कार को आयोजित करने की पहल की या नहीं. वे स्वागत वक्ता थे. इस कार्यक्रम में हुए राजनीतिक कीचड़ उछालने के लिए शरद पवार भी समान रूप से जिम्मेदार हैं. अधिवेशन की अध्यक्ष तारा भवालकर को भी इसका विरोध करना चाहिए.....आप चुप कैसे रह सकते हैं?₹ राउत ने यह भी कहा, जब आप पर कीचड़ उछाला जाता है तो हम आपके साथ खड़े होते हैं.

मध्य रेल के खिलाड़ियों ने 38वें राष्ट्रीय खेल-2025 में कुल 26 पदक जीते जिसमें 5 स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य पदक जीतकर किया कीर्तिमान स्थापित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के खिलाड़ियों ने उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल-2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य पदक सहित कुल 26 पदक जीते। 28 जनवरी से 14 फरवरी-2025 तक उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल-2025 में मध्य रेल के कुल 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मध्य रेल के प्रतिभागियों ने इंडिविजुअल और टीम स्पधाओं में 5 स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य पदक जीते।

इंडिविजुअल स्पधाएँ

स्वर्ण पदक:

अंकिता ध्यानी ने एथलेटिक्स में 3 पदक जीते - महिलाओं की 3000 मीटर दौड़ में स्वर्ण, महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण और महिलाओं की 10000 मीटर दौड़ में रजत।

तेजस सिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीत के साथ एक नया राष्ट्रीय खेल रिकॉर्ड बनाया और वर्तमान राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक बन गए।

वंशिता वर्मा ने महिला भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता।

रजत पदक:

महिलाओं एथलेटिक्स 10000 मीटर दौड़ में अंकिता ध्यानी

एथलेटिक्स-पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में प्रणव गुरव

महिला भारोत्तोलन में साक्षी सिंघारे

पुरुष भारोत्तोलन में मुकुंद अहीर

पुरुष भारोत्तोलन में संकेत सरगर

महिला प्लेटफॉर्म डाइविंग में ईशा वाघमोड़े

महिला 50 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी और 4७100 फ्री स्टाइल रिले तैराकी में अवंतिका चव्हाण

कांस्य पदक:

पुरुष बैडमिंटन में कुशल धर्ममेर

हाई बोर्ड डाइविंग में ओम अवस्थी और

महिला स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग में ईशा वाघमोड़े।

टीम स्पधाएँ

स्वर्ण पदक

पुरुष खो-खो में रामजी कश्यप

रजत पदक

पुरुष वॉलीबॉल में मुथु एलाकिया

पुरुष वाटर पोलो में उदय उत्ताकर और रुतुराज बिडकर

कांस्य पदक

महिला वॉलीबॉल में कविता

महिला कबड्डी में रेखा सावंत

पुरुष वाटर पोलो में आदर्श, जीतू एसपी, रोहित वी एस, अप्पू एन एस और अमल।

विजेता खिलाड़ियों में से 16 मुंबई डिवीजन से, 4 पुणे डिवीजन से और 2 सोलापुर डिवीजन से हैं।

38वें राष्ट्रीय खेल-2025 में देश भर से 10,000 से अधिक खिलाड़ियों ने 35 खेल स्पधाओं में विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया।मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना ने मध्य रेल के खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य की प्रतियोगिताओं में और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।मध्य रेल के खिलाड़ियों के अद्भुत प्रदर्शन ने पूरे रेल परिवार को गौरवान्वित किया है, जो रेलवे के एथलीटों की अविश्वसनीय प्रतिभा और खेल कौशल को दशार्ता है।मध्य रेल अपने खिलाड़ियों को सक्रिय रूप से सर्वोत्तम सुविधाएँ प्रदान कर रही है, और खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय मध्य रेल खेल संघ (सीआरएसए) को जाता है, जो नवोदित खिलाड़ियों की भर्ती, प्रचार, कोचिंग एवं प्रोत्साहन देने और उन्हें अपने सपनों को हासिल करने तथा रेलवे और देश के लिए सम्मान लाने में मदद करने के लिए समर्पित एक निकाय है।

आत्मसम्मान वाला कोई भी व्यक्ति...धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग पर शरद पवार का बड़ा अटैक

- एनसीपी एसपी चीफ शरद पवार की मुंबई में प्रेस काफ्रेंस
- शरद पवार ने धनंजय मुंडे पर बढ़ाया इस्तीफा का दबाव
- अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी में हैं धनंजय मुंडे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार में मंत्री धनंजय मुंडे पर एनसीपी (एसपी) चीफ शरद पवार ने बड़ा अटैक किया है। शरद पवार ने मुंबई में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मसम्मान वाला कोई भी व्यक्ति अब तक इस्तीफा दे देता। पवार ने यह टिप्पणी तब की जब उनसे पूछा गया कि बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में मुंडे के करीबी वाल्मीकि कराड की गिरफ्तारी हुई, ऐसे में क्या धनंजय मुंडे को इस्तीफा दे देना चाहिए? पवार ने कहा कि कोई भी आत्मसम्मान वाला व्यक्ति यही करता। धनंजय मुंडे अभी अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी में हैं। वह पिछले काफी समय से विवादों में घिरे हैं। इनमें उनकी पहली पत्नी करुणा शर्मा को गुजारा भत्ता देने का मामला भी शामिल है।

शरद पवार की इस टिप्पणी से पहले महाराष्ट्र के समाजसेवी अन्ना हजारे ने मुंडे के इस्तीफे को लेकर टिप्पणी की थी। हजारे ने कहा था कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि लोग हमारा अनुसरण करते हैं। उन्होंने सरकार के मुखिया को कहा था कि ऐसे लोगों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र में तीन मार्च से बजट सत्र की शुरूआत होनी है। ऐसा माना जा रहा है कि इससे पहले मुंडे अपना इस्तीफा दे सकते हैं। मुंडे अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कोटे से फडणवीस सरकार में मंत्री हैं। अब देखना है कि शरद पवार की टिप्पणी के बाद अजित पवार की एनसीपी का क्या रुख सामने आता है?

सपा की पीडीए जन चौपाल

2027 में सरकार बनाने पर जोर, पूर्व मंत्री बोले- प्रदेश में विकास कार्य ठप

बुलंदशहर, स्याना नगर में पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (पीडीए) की जन पंचायत का आयोजन किया गया। मोहल्ला चौधरियान थाने के सामने नगर सचिव अथर चौधरी के आवास पर यह कार्यक्रम हुआ। पंचायत की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष चौधरी शफीक ने की। कार्यक्रम का संचालन नगर महासचिव और पूर्व सभासद रामबाबू जाटव ने किया। पूर्व विधायक और राज्य मंत्री राकेश त्यागी ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल है। किसान-मजदूर महंगाई से परेशान हैं। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। प्रदेश में हत्या, लूट, चोरी और महिलाओं पर अपराध बढ़ रहे हैं।

मर्सिडीज कार के बदले मिलते थे शिवसेना में पद, उद्धव ठाकरे की खास नीलम गोरहे के सनसनीखेज आरोप, गरमाई सियासत

नीलम गोरहे ने उद्धव शिवसेना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

- दानवे ने गोरहे के आरोपों को बेतुका बताया, मांगे सबूत
- साहित्य सम्मेलन का मंच राजनीतिक विवाद का केंद्र बना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : अखिल भारतीय मराठी साहित्य महोत्सव में महाराष्ट्र विधान परिषद की उप सभापति गोरहे ने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) में पद पैसे के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं, जिसमें उपहार में मर्सिडीज कार देना भी शामिल है। इस पर पलटवार करते हुए विधान परिषद में विपक्ष के नेता दानवे ने कहा कि गोरहे को पार्टी के बारे में कोई समझ नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने रविवार को शिवसेना एमएलसी नीलम गोरहे की आलोचना की, जिन्होंने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत भी नीलम गोरहे पर बरसे।नीलम गोरहे दिल्ली में अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। शिवसेना में पार्टी कार्यकताओं और नेतृत्व के बीच संपर्क की कमी के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, 'कार्यकताओं पर नेता

थोपे जाते थे। दो मर्सिडीज कारें आपको एक पद दिला देती थीं।'

उद्धव ठाकरे बोले- ऐसे लोगों पर ध्यान नहीं देता

कभी उद्धव ठाकरे की करीबी मानी जाने वाली नीलम गोरहे चार बार टछउ चुनी गई थीं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ जाने से पहले राज्य विधानमंडल के उच्च सदन की उपाध्यक्ष के रूप में भी काम किया। प्रमुख उद्धव ठाकरे ने उनकी टिप्पणियों को खारिज कर दिया और सबूत मांगे। ठाकरे ने कहा, 'वह मर्सिडीज दिखाएं। वैसे भी, मैं ऐसे लोगों पर ध्यान नहीं देता, भले ही मैं एक महिला के रूप में उनका सम्मान करता हूं।'सांसद संजय राउत ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'उन्हें सबूत के साथ आना चाहिए। वह चार बार टछउ रही हैं, तो क्या उन्होंने 8 मर्सिडीज दीं? रसीदें लेकर आएं।' बाद में, नीलम गोरहे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने खुद किसी को कोई पैसा नहीं दिया है।

मुंबई में टीआईएसएस फैकल्टी पर छात्रा के यौन उत्पीड़न का आरोप, असिस्टेंड प्रफेसर ने दिया इस्तीफा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

- टीआईएसएस में असिस्टेंट प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप
- आरोप के बाद प्रोफेसर ने एक दिन बाद ही इस्तीफा दिया
- छात्रा ने स्कूल में जहरीला माहौल बनाने का आरोप लगाया

मुंबई : टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) में एक असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ एक छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह घटना 20 फरवरी की है। छात्रा ने प्रफेसर पर कैंपस में जहरीला माहौल बनाने उत्पीड़न और धमकाने का भी आरोप लगाया है। इस शिकायत के एक दिन बाद ही प्रोफेसर ने इस्तीफा दे दिया। टीआईएसएस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रोफेसर ने अपने इस्तीफे में कहा कि वह अपने रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हालांकि, आंतरिक शिकायत समिति ने उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। प्रोफेसर संविदा पर कार्यरत थे, इसलिए उन्हें कोई औपचारिकता पूरी करने की जरूरत नहीं थी।प्रोफेसर की कैंपस में एंट्री रोकी गई।अधिकारी ने यह भी बताया कि टीआईएसएस ने एक अलग आदेश में प्रोफेसर को जांच पूरी होने तक कैंपस में प्रवेश करने से रोक दिया है।

पश्चिम रेलवे की लोअर परेल कारखाना : बीते दिनों की अमर विरासत का संरक्षक

एक शताब्दी से भी अधिक पुरानी हेरिटेज घड़ी और ट्यून्ड बेल रेलवे के समृद्ध इतिहास की जीवंत गवाही प्रस्तुत कर रही है

लोअर परेल वर्कशॉप की हेरिटेज घड़ी: एक कालातीत विरासत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

लोअर परेल वर्कशॉप में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने स्थित फिएट बोगी शॉप की दीवार पर हेरिटेज क्लॉक लगी हुई है - जो इतिहास का एक उल्लेखनीय पन्ना है, जो 1889 से अनवरत चल रही है। इंग्लैंड के क्रॉयडन की मेसर्स गिलेट एंड कंपनी द्वारा निर्मित यह प्रतिष्ठित घड़ी न केवल एक समय मापने वाला उपकरण है, बल्कि शिल्प कौशल, विरासत और लोअर परेल वर्कशॉप की स्थायी विरासत का प्रतीक है।

इतिहास पर एक नजर

हेरिटेज क्लॉक को 1889 में इंग्लैंड के क्रॉयडन में यूनियन रोड सुविधा में मेसर्स गिलेट एंड कंपनी द्वारा तैयार किया गया था, जो 1844 से अपनी घड़ी बनाने की विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध कंपनी है। इसकी स्थापना लोअर परेल वर्कशॉप की स्थापना के साथ हुई, जिससे यह वर्कशॉप के गौरवशाली अतीत का एक अभिन्न अंग बन गया। दशकों से घड़ी ने कारखाने के विकास को देखा है, जो समय बीतने के मूक प्रहरी के रूप में आज भी विद्यमान है।

इंजीनियरिंग मार्वल

हेरिटेज क्लॉक मैकेनिकल इंजीनियरिंग का एक चमत्कार है। 213 सेमी के समग्र व्यास और 152 सेमी के डायल व्यास के साथ यह एक प्रभावशाली संरचना है जो ध्यान आकर्षित करती है। घड़ी पीतल के घटकों से बने एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए गियर ट्रेन के माध्यम से संचालित होती है, जिसे जंग के प्रतिरोध के लिए चुना जाता है। घड़ी को चालू रखने के लिए आवश्यक ऊर्जा एक धातु स्प्रिंग में संग्रहीत होती है, जिसे निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए सप्ताह में एक बार घुमाया जाता है। इस घड़ी को जो चीज वाकई उल्लेखनीय बनाती है, वह है इसकी

सादगी और मजबूती। इसके कॉम्पैक्ट मैकेनिज्म को न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकता होती है, जो इसके रचनाकारों की सरलता का प्रमाण है। अपनी उम्र के बावजूद, घड़ी सटीकता के साथ काम करना जारी रखती है, जो 19वीं सदी की शिल्पकला को ट्रिब्यूट है।

समय के संरक्षक

लोअर परेल स्थित कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप के मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री परिवेश साहू सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण और रख-रखाव को महत्व देते हैं। यह एक सराहनीय प्रयास है जो इस लंबे और संजोए हुए इतिहास की सुरक्षा में योगदान देता है। हेरिटेज घड़ी के रख-रखाव का काम लोअर परेल वर्कशॉप के मिलराइट शॉप के दो वरिष्ठ तकनीशियनों, श्री राजकुमार सरोज और श्री नॉर्बर्ट डिमेलो को सौंपा गया है, जो अपने समर्पण के साथ 1990 से इस प्राचीन घड़ी के संरक्षक रहे हैं।

इन तकनीशियनों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जिन्हें न केवल हेरिटेज घड़ी बल्कि कारखाना के भीतर सभी ऋअ कार्ड टाइम-पंचिंग घड़ियों के रख-रखाव की जिम्मेदारी दी गई है। उनकी अटूट प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि ये ऐतिहासिक घड़ियाँ सुचारू रूप से चलती रहें, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपनी विरासत को संरक्षित रखें।

ट्यून्ड बेल: एक सामंजस्यपूर्ण साथी

इस जगह के ऐतिहासिक महत्व को बढ़ाने के लिए एक ट्यून्ड घंटी भी है, जिसे 1890 में मेसर्स गिलेट एंड कंपनी ने बनाया था। हेरिटेज क्लॉक के ठीक नीचे स्थित इस घंटी पर कास्ट नंबर 122 अंकित है और इसका वजन 57 किलोग्राम है। 425 मिमी व्यास और 430 मिमी की ऊंचाई के साथ यह कंपनी की शिल्पकला का एक बेहतरीन उदाहरण है। साथ में, घड़ी और घंटी एक सामंजस्यपूर्ण जोड़ी बनाते हैं, जो लोअर परेल वर्कशॉप के समृद्ध इतिहास को प्रतिध्वनित करते हैं।

एक जीवित विरासत

हेरिटेज घड़ी और ट्यून की गई घंटी सिर्फ कलाकृतियाँ नहीं हैं; वे हमारे पहले आए लोगों की सरलता और समर्पण की जीवंत याद दिलाती हैं। वे लोअर परेल वर्कशॉप की स्थायी भावना और अपनी विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़े हैं। जैसे-जैसे घड़ी चलती रहती है और घंटी बजती है, वे हमें सटीकता, शिल्प कौशल और हमारे अतीत का सम्मान करने के महत्व के कालातीत मूल्यों की याद दिलाती हैं। हेरिटेज घड़ी सिर्फ इतिहास का अवशेष नहीं है - यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक प्रकाश स्तंभ है।

दहेज हत्या के खिलाफ किसान यूनियन का प्रदर्शन

- 5 फरवरी की वारदात पर आक्रोश, आरोपी को फांसी की सजा की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बुलंदशहर, दहेज हत्या के विरोध में किसान यूनियन स्वराज के कार्यकताओं ने एसएसपी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने काजल की हत्या के दोषियों को फांसी की सजा और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। हात्माबाद गांव में 5 फरवरी को काजल का शव फांसी के फंदे पर मिला था। परिजनों का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने उनकी बेटी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि ससुर, सास और देवर फरार हैं। पीड़ित परिवार ने बताया कि काजल की शादी 4 साल पहले हात्माबाद में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज की मांग करते और उसके साथ मारपीट करते थे।

दहेज न मिलने पर उन्होंने काजल की हत्या कर दी। एसएसपी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया है कि फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। उन्होंने कोतवाली देहात पुलिस को फरार आरोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि आरोपियों को जल्द सजा दिलाई जाएगी।

न्यायालय आयुक्त, इंदौर संभाग, इंदौर
मोती बंगला, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर-452007
दूरभाष : कार्या. 0731-2435111, 2535222 फैक्स : 0731-2539552
Email : commindore@nic.in
प्रकरण क्रमांक 0035/निगरानी/2024-25 दिनांक 21-02-2025
श्रीमति त्रिवेणीबाई पति स्व. अरूण बोरसे
निवासी-जहाज महल रोड, माण्डव तहसील व जिला धार एवं अन्य .....अपीलार्थीगण
विरूद्ध
मंगाबाई बेवा रतनसिंह
निवासी - माण्डव तहसील व जिला धार एवं अन्य .....प्रत्यर्थीगण
प्रति,
// सूचना-पत्र //
8 - नरगीसबी बेवा दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
9 - मेहरूनीशा बेगम बेवा दादु खाँ तुफेल मोहम्मद
10 - एहसान पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
11 - मोहम्मद पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
12 - नजर मोहम्मद पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
13 - शकील मोहम्मद पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
14 - मेहताब मोहम्मद पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
15 - अययाज मोहम्मद पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
16 - एजाज मोहम्मद पिता दादु खाँ उर्फ तुफेल मोहम्मद
सभी निवासी- पायोनियर हेरीटेज, थर्ड फ्लोर डी. ब्लाकशांताकुज वेस्टमुबई (महाराष्ट्र)
उक्त संबंधित व्यक्ति को सूचना दी जाती है कि, उल्लेखित प्रकरण न्यायालय के समक्ष दिनांक 05-03-2025 को ठीक साढे दस बजे या उस समय के पश्चात किसी भी समय मोती बंगला इंदौर में पेश किया जायेगा। अतः वह उपरोक्त दिनांक को स्वयं अथवा अभिभाषक द्वारा और मय सभी संबंधित प्रपत्रों के उपस्थित रहे। अगर उक्त संबंधित व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ तो प्रकरण में उसके खिलाफ एक तरफा कार्यवाही कर आदेश दिये जा सकते है।
आयुक्त
इन्दौर संभाग, इन्दौर

कमलधाम वृद्धाश्रम अंबरनाथ में सारेगामा म्यूजिक क्लब मुंबई ने संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ पूर्व स्थित कमलधाम वृद्धाश्रम में रविवार शाम 5 से 7 बजे के बीच आश्रम के बुजुर्ग लोगों के मनोरंजन के लिए सारेगामा म्यूजिक क्लब मुंबई के सौजन्य से संगीतमय प्रस्तुतियों का एक शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमे विभिन्न गायकों द्वारा हिंदी और मराठी फिल्मों के गानों की प्रस्तुति द्वारा बुजुर्ग लोगों का मनोरंजन किया गया। इस कार्यक्रम द्वारा आश्रम के बुजुर्ग लोगों ने अपनी जवानी के दिनों को याद करके रोमांचित हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन कमलधाम वृद्धाश्रम की संचालिका और भाजपा की वरिष्ठ नेता पूर्व नगराध्यक्ष पूर्णिमा कबरे और संचालक सुधीर कबरे द्वारा किया गया। सारेगामा म्यूजिक क्लब मुंबई के को-ऑर्डिनेटर संदीप नेमा और सहायक को-ऑर्डिनेटर सुरेखा पाटिल के नेतृत्व में अन्य गायकों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों से सभी लोगों को आनंदित किया। सारेगामा म्यूजिक क्लब के संदीप नेमा ने कमलधाम आश्रम की संचालिका पूर्णिमा कबरे और संचालक सुधीर कबरे को ऐसा अवसर उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वनमंत्री गणेश नाईक के जनता दरबार में करीब 650 निवेदन मिले, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,राज्य के वन मंत्री और पालघर जिले के संरक्षक मंत्री और भाजपा ठाणे जिले के संपर्क मंत्री गणेश नाइक ने आज ठाणे में जनता दरबार लगाया। इस अवसर पर नागरिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर 650 से अधिक लिखित निवेदन आये। जिन मामलों में त्वरित कार्रवाई संभव थी, उन पर जनता दरबार में उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारीयों को फोन कर तुरंत कार्रवाई की गयी। शेष आवेदनों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जायेगा। इस मौके पर वन मंत्री गणेश नाईक ने उपस्थित अधिकारियों को जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया।

इस जनता दरबार में ठाणे जिले के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सरकारी, अर्धसरकारी, स्थानीय निकाय एवं विभिन्न प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा विधायक संजय केलकर, पूर्व सांसद डॉ संजीव नाईक, विधायक निरंजन डावखरे, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, संदीप लेले, राकांपा अजित पवार गुट के जिला अध्यक्ष आनंद परांजपे सहित महायुति के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। जनता दरबार में मंत्री नाईक ने बताया कि तीनों दल एक महायुती के रूप में जनता जनार्दन की समस्याओं को हल करने का प्रयास कर रहे हैं और इसीलिए इस जनता दरबार का आयोजन किया गया है। जनता दरबार शुरू होने से पहले उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में जनता दरबार लगाने का कारण बताया। उन्होंने कहा कि 1995 में मैं मंत्री बना, तब से जनता दरबार लगा रहा हूं। ठाणे शहर, मीरा-भाईंदर, नवी मुंबई और जिले के हर तालुका में दरबार लगा रहे हैं।म्हायुती के तौर पर हम तीनों दल मिलकर काम कर रहे हैं। नाईक ने बताया कि लोगों को दिए गए वचन को निभाने के लिए इस जनता दरबार का आयोजन किया गया था।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में हम सभी मंत्री एक-दूसरे के पूरक बनकर काम कर रहे हैं। कुल मिलाकर महाराष्ट्र नहीं रुकेगा, इस टैग लाइन के अनुरूप हम सभी ने काम करना शुरू कर दिया है। सभी नागरिक अपनी शिकायतें पेश करने के लिए मंत्रालय नहीं आ सकते। इसीलिए लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए यह जनता दरबार आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में निवेदन स्वीकार किये जायेंगे और 15 दिनों के अंदर अगले जनता दरबार में उन पर की गयी कार्रवाई की समीक्षा की जायेगी।

फास्ट ट्रैक

अंबरनाथ में स्वर्गीय अजय जाधव की स्मृति में आयोजित बॉस प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट सफलतापूर्वक सम्पन्न

टूनार्मेंट की विजेता टीम निखिल इलेवन और उपविजेता टीम स्टार बॉयज रही।

टूनार्मेंट का आयोजन युवा शिवसैनिक यश लाजवंती अजय जाधव और वाई .जे .बॉस ग्रुप सामाजिक संस्था ने किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ पश्चिम स्थित मातोश्री ग्राउंड में 22 और 23 फरवरी को स्वर्गीय अजय जाधव की स्मृति में आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट बॉस प्रीमियर लीग 2025 क्रिकेट के शानदार खेल और रोमांच के बीच सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। टूनार्मेंट में शामिल सभी टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खेल भावना के साथ सहभाग करके सभी को क्रिकेट के रोमांच से रोमांचित किया। टूनार्मेंट की विजेता टीम रही निखिल इलेवन और उपविजेता टीम रही स्टार बॉयज। विजेता टीम को 18055 रुपए और ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 8055 रुपए और ट्रॉफी प्रदान की गई। स्वर्गीय अजय जाधव की स्मृति में आयोजित बॉस प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट में मुख्य अतिथि के रूप में बदलापुर के प्रसिद्ध गोल्डमैन मिथलेश धुले उपस्थित रहे। इसके साथ ही शिवसेना के युवा नेता विकास सोमेश्वर, राहुल सोमेश्वर, विभोर डेथे, इफ्तिखार खान, पूर्व नगरसेवक नासिर कुंजाली, अंजिक्य पाटिल, हेमंत जाधव, चंद्रकांत मोटे आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक वाई.जे.ग्रुप सामाजिक संस्था के प्रमुख और युवा शिवसैनिक यश जाधव ने आए हुए अतिथियों का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किए और विजेता टीम के साथ सभी टीमों के खिलाड़ियों के खेल और खेल व्यवहार की प्रशंसा की और सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। टूनार्मेंट के सफलतापूर्वक आयोजन में पूर्व नगरसेविका लाजवंती अजय जाधव और समाजसेविका रौशनी युनुस शेख का भी अहम योगदान रहा।

पातलीपाड़ा जंगल बचाओ" अभियान ने कार्यकताओं ने वन मंत्री से लगायी गुहार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,पतलीपाड़ा की पहाड़ियों पर 15 एकड़ प्राकृतिक जंगल को जाल में बंद पक्षी पार्क बनाने की परियोजना के खिलाफ निवासियों द्वारा शुरू किए गए जंगल बचाओ" आंदोलन के कार्यकर्ता वन मंत्री गणेश नाइक के जनता दरबार में न्याय की गुहार लगायी है। इस मामले में वन मंत्री गणेश नाइक ने ठाणे मनपा के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तैयार किए गए प्रस्ताव की दोबारा जांच करें और निवासियों के सुझावों पर विचार करें। ठाणे शहर विकास योजना के अनुसार, पातलीपाड़ा में सर्वेक्षण संख्या 285/2, 271, और 139 (लगभग 70 एकड़) जमीन को आरक्षित वन घोषित किया गया था। 2008 से इस क्षेत्र में अतिक्रमण शुरू हो गया। इस संबंध में हीरानंदानी इस्टेट और अन्य कॉलोनियों के निवासियों की शिकायतों के बावजूद सरकारी एजेंसियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए 2011 में इस भूमि को आरक्षित वन के रूप में संरक्षित करने के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। क्षेत्रवासियों ने इस क्षेत्र में अतिक्रमण रोकने के साथ-साथ क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए पेड़-पौधे लगाने का भी लगातार अभियान चलाया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले 13 वर्षों में 15 एकड़ खुली भूमि पर 5000 से अधिक देशी पेड़ों का एक समृद्ध जंगल तैयार हो गया है। साथ ही यह तोते, बगुले सहित स्थानीय और विदेशी पक्षी प्रजातियों के पक्षियों का निवास स्थान बन गया है। इस 15 एकड़ वन क्षेत्र को जाल से सुरक्षित किया गया है और एक पक्षी पार्क (आइवरी पार्क) बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। डेढ़ एकड़ जमीन को आवासीय घोषित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। नियोजित पक्षी उद्यान में बाहर से लाये गये पक्षियों को छोड़ा जाना है। जो जालीदार आवरण देशी पक्षियों के आवास को नष्ट कर देगा। राज्य सरकार और ठाणे मनपा द्वारा पहले लागू की गई कई परियोजनाएं खराब स्थिति में हैं। अतः प्राकृतिक जंगल को काटकर आइवरी पार्क का प्रस्ताव पर्यावरण के हित में नहीं है। इस आशय का उन्हें एक ज्ञापन भी दिया गया। वन मंत्री नाईक ने नागरिकों की मांग पर सकारात्मक रुख दिखाया है। 15 एकड़ का प्राकृतिक जंगल ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाला फेफड़ा है। पूर्व भाजपा समूह नेता मनोहर डुंबरे के नेतृत्व में निवासियों ने वन मंत्री गणेश नाइक से अपील की कि घोड़बंदर रोड पर तेजी से सीमेंट कंक्रीट के जंगल का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन जंगल को बचाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। गणेश नाईक ने कहा कि वे शहरवासियों की भावनाओं से सहमत हैं।

डोंबिवली और दिवा की अनधिकृत इमारतों पर मंत्री परिषद में चर्चा कर न्याय देने का प्रयास

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण , डोंबिवली शहर में अवैध इमारत के निवासियों के साथ धोखा किया गया है और अदालत के फैसले का सम्मान करते हुए नागरिकों को कैसे न्याय दिया जा सकता है। इस आशय का उदगार व्यक्त करते हुए वन मंत्री गणेश नाईक ने जनता दरबार में अपनी राय व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में दिवा की 54 इमारतों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के पदाधिकारी दीपेश म्हात्रे और नागरिकों ने नाईक को एक ज्ञापन सौंपा और कल्याण-डोंबिवली शहर में अवैध इमारतों के निवासियों के लिए न्याय की मांग की। नाईक ने बुजुर्गों और नागरिकों से इस पर चर्चा की और उनसे बातचीत की। कल्याण-डोंबिवली शहर में कई लोगों ने बिल्डिंग में घर ले लिया। घर खरीदने के लिए बैंकों ने लोन दिया। अब ये इमारतें अवैध पाई गई हैं और नागरिकों के साथ धोखा किया गया है। उनमें कुछ भी गलत नहीं है। यहां के नागरिकों ने अपनी बात सुनने और दस्तावेज जमा करने के लिए समय मांगा है। साथ ही पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण ने भी मुझे फोन किया और बताया कि उनके इलाके में ऐसी ही सात-आठ इमारतें हैं। नाईक ने कहा, इसके अलावा कल्याण ग्रामीण में भी ऐसी कई इमारतें हैं। कल्याण - डोंबिवली शहर में अवैध इमारतों के निवासियों के साथ धोखा हुआ है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी इन निवासियों को न्याय का आश्वासन दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ कैबिनेट

बैठक में इस पर चर्चा होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए यहां के नागरिकों को किस प्रकार न्याय दिया जा सकता है।

कोर्ट ने दिवा इलाके में 54 अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है और ठाणे मनपा ने इन इमारतों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी शुरू कर दी है। यहां के नागरिकों का एक प्रतिनिधि मंडल नाईक से मिला और कार्रवाई रोकने की मांग की। मंत्री गणेश नाईक ने यहां के निवासियों को आश्वासन दिया कि मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में दिवा की 54 इमारतों पर चर्चा की जायेगी।

अंबरनाथ के पूर्व नगरसेवक संदीप लोटे ने छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित फिल्म छवा बच्चों को निशुल्क दिखवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.पूर्व नगरसेवक संदीप लोटे, समाजसेवक भगवान लोटे और लोटे परिवार ने अंबरनाथ पश्चिम के गणेश नगर और आसपास के सैंकड़ों बच्चों और उनके पालकों को छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा को निशुल्क दिखाने के लिए अंबरनाथ बिग सिनेमा लेकर गए ताकि बच्चों को छत्रपति संभाजी महाराज के मराठा साम्राज्य के लिए किए गए कार्यों, लड़ाइयों, स्वराज्य की भावना से परिचित कराया जा सके।पूर्व नगरसेवक संदीप लोटे का मानना है कि इस फिल्म ने सभी को छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन संग्राम और मराठा साम्राज्य में उनके योगदान को आज की नई पीढ़ी को परिचित कराया है। ऐसी फिल्मों से बच्चों में देशप्रेम और अपने इतिहास के महान लोगों से परिचय होता है। छावां फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के ज्येष्ठ पुत्र और मराठा साम्राज्य के द्वितीय छत्रपति राजा संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है और चारों ओर चर्चा और प्रशंसा का विषय बनी हुई है। ऐतिहासिक चरित्र को पेश करती हुई यह फिल्म शिवाजी सावंत के मराठी उपन्यास छावा पर आधारित है और लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित है जिसमें विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन को जीवंत अभिनय द्वारा साकार कर दिया।

प्रतापगढ़ प्रेस क्लब अध्यक्ष का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र), मान्धाता में प्रतापगढ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष पवन सिंह का जन्मदिन केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुंबई से आए वरिष्ठ पत्रकार विजय यादव बतौर प्रमुख अतिथि उपस्थित थे। मान्धाता में प्रतापगढ़ प्रेस क्लब अध्यक्ष पवन सिंह के जन्मदिन पर खुशी व्यक्त करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अवनीश मिश्रा ने बधाई । प्रतापगढ़ प्रेस क्लब अध्यक्ष पवन सिंह को जन्मदिन की बधाई देते हुए मुंबई से आए वरिष्ठ पत्रकार विजय यादव ने कहा कि जिले के पत्रकारों की आवाज बन चुके पत्रकार पवन सिंह हमेशा पत्रकार बंधुओं के सम्मान की लड़ाई लड़ी है। वरिष्ठ पत्रकार अवनीश मिश्रा ने बधाई देते हुए कहा कि जिले की पत्रकारिता में एक बदलाव लाया है नवोदित पत्रकारों की प्रतिभा को तराशकर जिले की पत्रकारिता की दशा और दिशा बदलने का काम पत्रकार पवन सिंह ने किया है। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए पत्रकार प्रभाकर राय, अंबुज शर्मा, अनुज राव, अतुल यादव, शिव कुमार शास्त्री, इश्तियाक अहमद, निखिल शुक्ला के साथ साथ एडवोकेट अरुण सिंह (राजू), सोम द्विवेदी, एडवोकेट जगदंबा प्रसाद यादव, सभासद प्रतिनिधि कुलदीप यादव सहित भारी संख्या में लोगों ने बधाई दी है।

केतकी वेलफेयर सेवा संस्थान द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र), मान्धाता के हैसी रोड पर केतकी वेलफेयर सेवा संस्थान द्वारा गरीब और जरूरतमंद को कंबल वितरण किया गया। केतकी वेलफेयर सेवा संस्थान की संस्थापिका और अध्यक्ष वंदना उपाध्यक्ष द्वारा सैकड़ों लोगों को कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान मदन सिंह, समाजसेविका नीतू किन्नर, मंदाकिनी मैडम, मदन सिंह, भानू प्रताप सिंह, अरविंद सिंह, क्षेत्र के समाजसेवी गुड्डू मिश्रा (भभया), भसभासद प्रतिनिधि कुलदीप यादव, सभासद राजेश गुप्ता, अशोक कुमार, सुनील सरोज, राजू दूबे सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। वंदना उपाध्यक्ष ने कहा कि संस्थान द्वारा हर

वर्ष जिले के विभिन्न इलाकों में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इसके साथ साथ जिले में समाजसेवा के क्षेत्र में सालभर आयोजन चलता रहता है।

पुवायां में किसानों की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर महापंचायत

सरकार पूंजीपतियों के हित में काम कर रही, एमएसपी की लड़ाई जारी रहेगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां नवीन गल्ला मंडी परिसर में आज भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट की महापंचायत का आयोजन हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत का कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया।टिकैत ने महापंचायत को संबोधित करते हुए किसानों की 12 सूत्रीय मांगों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पूंजीवादियों की सरकार है। किसानों को बिना वजह परेशान किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि किसान अपनी फसल औने-पौने दाम पर व्यापारियों को बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने एक बड़े घोटाले का खुलासा करते हुए कहा कि किसानों की फसल समाप्त होने के बाद भी सरकारी कागजों में खरीद दिखाई जाती है। टिकैत ने घोषणा की कि वह किसानों के हित में एमएसपी की लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार

पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए एमएसपी लागू नहीं कर रही है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट किसानों के हित में अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

यूपी बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में दिखा दमदार प्रदर्शन

अमीर आलम बने मिस्टर यूपी, भारत को मिला मिस्टर शाहजहांपुर का खिताब

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, गांधी भवन सभागार में मिस्टर यूपी बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। काकोरी कांड के अमर बलिदानियों की याद में आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ शहीद अशफाक उल्ला खां के प्रपौत्र अशफाक उल्ला खां ने किया। उन्होंने काकोरी कांड के अमर नायकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रतियोगिता में अमरोहा, बरेली, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, बहेड़ी, मुजफ्फरनगर, मेरठ और हरदोई से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मिस्टर यूपी का खिताब अमरोहा के अमीर आलम ने जीता। इस श्रेणी में बरेली के दानिश रजा दूसरे स्थान पर रहे। मिस्टर शाहजहांपुर की प्रतियोगिता में भारत ने पहला स्थान हासिल किया। अफफान दूसरे और शिवम वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। विजेताओं को स्मार्ट टीवी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण लखनऊ से आईं मिस इंडिया अहाना मिश्रा का प्रदर्शन रहा।

प्रतापगढ़ में नीम के पेड़ से टपकता पानी बना चर्चा का विषय

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र), जिले के सुखपाल नगर के करीब एक गांव है बनवीर काच्छजहां के एक नीम के पेड़ के एक डाल से पिछले दो दिनों से पानी टपक रहा है, गांव वालों ने बताया कि यह पानी पिछले दो दिन से दिन-रात बूंद बूंद कर टपक रहा है और दिनभर में बीस लीटर पानी की क्षमता वाली एक बाल्टी लगभग भर जा रही है। नीम का पेड़ बहुत ज्यादा पुराना नहीं लग रहा है नीम की एक डाल पर साबुन के झाग की तरह झाग बना है और उसी झाग से यह पानी टपकता है यह

पानी काफी झाग नुमा है सफेद झाग की तरह दिखाई पड़ रहा है, यह पानी देखकर गांव के लोग हैरान हैं नीम के पास बैठकर लोगों के पूजा करने की तस्वीर भी सामने आ रही है, गांव के बुजुर्ग इसे चमत्कार बता रहे हैं तो युवा पीढ़ी इसे विज्ञान के नजरिए से देख रही है इसे प्रत्येक वृक्ष में निकलने वाला एक तरह तरल पदार्थ मान रही है जो पेड़ में धीरे-धीरे गोंद की तरह जम जाता है। मगर ज्यादा मात्रा में टपकाने वाला यह पानी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मां की हत्या कर खुद दी थी पुलिस को सूचना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक शराबी बेटे ने अपनी 75 वर्षीय मां की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना रविवार रात की है। आरोपी महेंद्र नशे में धुत होकर घर आया था। उसने अपनी बेटी शालिनी के साथ मारपीट की। बेटी जब छुपकर भाग गई तो महेंद्र उसे ढूंढने अपनी मां मिजना देवी के घर पहुंचा। मां से बेटी के बारे में पूछा। मां ने जब बेटी के बारे में जानकारी देने से मना कर दिया तो महेंद्र आगबबूला हो गया। उसने घर में रखा डंडा उठाया और मां पर ताबड़तोड़ वार करने लगा। इतनी बुरी तरह पीटा कि मां की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने खुद ही पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

जर्मनी में आम चुनाव- चांसलर शोल्ज हारे

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी सबसे आगे, 630 में से 208 सीटों पर जीत; किसी पार्टी को बहुमत नहीं

एजेंसी

बर्लिन, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज आम चुनाव हार गए हैं। उनकी सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी (एसडीपी) 630 सीटों में से सिर्फ 121 सीटें ही जीत पाई है। उसे सिर्फ 16.5% वोट ही मिले हैं। चांसलर शोल्ज ने हार स्वीकार कर ली है। उनकी पार्टी चुनावी नतीजों में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। कंजर्वेटिव विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) पार्टी के गठबंधन ने 208 सीटों पर जीत दर्ज की है। उसे 28.5% वोट हासिल हुए हैं। चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी जीत कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी (एएफडी) को मिली है। इस पार्टी को 151 सीटों पर जीत मिली है। पार्टी को 20.8% वोट मिले हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में किसी कट्टरपंथी दक्षिणपंथी पार्टी ने इतनी सीटें जीती हैं। जर्मनी में बहुमत के लिए 315 सीटें चाहिए, और कोई भी पार्टी अकेले यह आंकड़ा छूती नहीं दिख रही। इसलिए गठबंधन सरकार बनना तय माना जा रहा है। एएफडी ने गठबंधन

करने की पेशकश की एएफडी पार्टी की चांसलर उम्मीदवार एलिस वीडेल ने अपने समर्थकों के साथ जीत का जश्न मनाया है। हालांकि पार्टी चांसलर वीडेल ने कहा कि उन्हें और बेहरत रिजल्ट की उम्मीद थी। एएफडी के नेता टीनो क्रूपाला ने कहा कि उनकी पार्टी सीडीयू के साथ गठबंधन के लिए बातचीत करने को तैयार है। हालांकि सीडीयू के चांसलर उम्मीदवार फ्रेडरिक मर्ज ने कट्टरपंथी पार्टी ५ के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार कर दिया है। चुनाव में सेंटर राइट पार्टी सीडीयू की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह जर्मनी और अमेरिका दोनों के लिए शानदार दिन है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका की तरह जर्मनी के लोग भी एनर्जी और इमिग्रेशन पर सरकार की बेतुकी नीतियों से तंग आ चुके थे। चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली सीडीयू के नेता फ्रेडरिक मर्ज, जर्मनी के अगले चांसलर बनने की रेस में सबसे आगे हैं। फ्रेडरिक मर्ज का जन्म 11 नंबर 1955 को पश्चिमी जर्मनी के सॉरलैंड जिले में हुआ था। वे रोमन कैथोलिक परिवार में जन्मे थे। मर्ज ने कानून की पढ़ाई की है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत कॉर्पोरेट वकील के तौर पर शुरू की। मर्ज ने 1972 में सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी जॉइन की। वे सॉरलैंड से पहली बार 1994 में जर्मन संसद के लिए चुने गए थे। अपनी आर्थिक समझ की वजह से राजनीति में तेजी से आगे बढ़े। 2000 के दशक की शुरूआत में मर्ज सीडीयू के संसदीय नेता के तौर पर चुने गए। इसी साल एंजेला मर्केल सीडीयू पार्टी की नेता चुनी गई। 2002 में मार्केल ने संसदीय पद के लिए दावा ठोका। 2005 में जब सीडीयू ने एसपीडी के साथ मिलकर सरकार बनाई, तो मर्ज को सरकार में शामिल नहीं किया गया था। एंजेला मर्केल से बेहतर रिश्ते न होने के चलते मर्ज को पार्टी में हाशिए पर डाल दिया गया। इसके बाद 2009 में उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया। इसके बाद वे लगभग 1 दशक तक प्राइवेट सेक्टर से जुड़े रहे। उन्होंने ब्लैकरॉक जैसी बड़ी कंपनी के साथ काम किया। मर्ज ने 2018 में राजनीति में वापसी की। तब तक चांसलर एंजेला मर्केल ने भी पद छोड़ने का फैसला कर लिया था। इसके बाद मर्ज ने 2018 और 2021 में पार्टी लीडर का चुनाव लड़ा, हालांकि तब वे हार गए। साल 2022 में वे सीडीयू के अध्यक्ष बनने में कामयाब रहे।

पोप की हालत गंभीर, किडनी फेल होने के लक्षण

ऑक्सीजन दी जा रही, प्लेटलेट्स भी घटीं; दुनियाभर में प्रार्थनाओं का दौर जारी

एजेंसी

रोम, पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन के मुताबिक पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे हैं। साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला है। वेटिकन प्रेस ऑफिस ने कहा कि पोप को शनिवार रात से अस्थमा का कोई अटैक नहीं आया है, लेकिन अभी भी ऑक्सीजन का हाई फ्लो दिया जा रहा है। दुनियाभर में पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार के लिए प्रार्थना जारी है। पोप ने एक्स पर पोस्ट करके प्रार्थनाओं के लिए उनको धन्यवाद किया। कैथलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस

(88 साल) फेफड़ों में इन्फेक्शन के कारण 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा है। डॉक्टरों ने 21 फरवरी को उन्हें खतरे से बाहर बताया था और कहा था कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। अगले दिन अस्थमा अटैक के बाद पोप की हालत गंभीर हो गई थी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी 19 फरवरी को पोप से मिलने पहुंची थीं। दोनों के बीच करीब 20 मिनट की मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद में मेलोनी ने बताया कि पोप की हालत में हल्का सुधार है और चेहरे पर मुस्कान बनी हुई है। मेलोनी ने कहा, 'पोप और मैंने हमेशा की तरह मजाक किया। पोप ने अपना सेंस ऑफ ह्यूमर नहीं खोया है।' पोप के भर्ती होने के बाद मेलोनी उनसे मिलने वाली पहली नेता हैं। पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी हैं, वो 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान हैं जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। पोप का जन्म 17 दिसम्बर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। पोप बनने से पहले उन्होंने जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो नाम से जाना जाता था। पोप फ्रांसिस के दादा-दादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी से बचने के लिए इटली छोड़कर अर्जेंटीना चले गए थे। पोप ने अपना ज्यादातर जीवन अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बिताया है। वे सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) के सदस्य बनने वाले और अमेरिकी महाद्वीप से आने वाले पहले पोप हैं।

उन्होंने ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की थी।

ट्रम्प ने यूएसएआईडी के 1600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

बाकी को छुट्टी पर भेजा; संस्था ने भारतीय चुनाव में 182 करोड़ की फंडिंग दी थी

एजेंसी

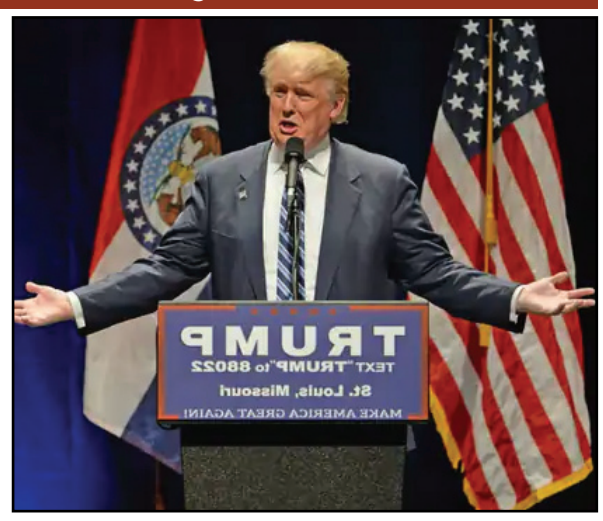

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि वे विदेश में मदद मुहैया कराने वाली एजेंसी वरअकऊ के 1600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहे हैं। इसके अलावा बाकी कर्मचारियों को पेड लीव पर भेजा रहा है। यानी वे काम पर नहीं आएंगे लेकिन उन्हें सैलरी मिलती रहेगी। यूएसएआईडी (यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) में सिर्फ कुछ लीडर्स और दुनियाभर में मौजूद बेहद जरूरी स्टाफ को ही रखा जाएगा। ये वही संस्था है जिसने भारत में चुनाव के दौरान वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए 182 करोड़ रुपए की फंडिंग दी थी। इसे लेकर ट्रम्प बीते एक हफ्ते में पांच बार सवाल उठा चुके हैं। 10 दिन पहले इलॉन मस्क के डीओजीई विभाग ने भारत को दी जा रही फंडिंग समेत दुनियाभर में दी जा रही 15 अन्य फंडिंग को बंद कर दिया था। इधर, भारत के वित्त मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि यूएसएआईडी ने 2023-2024 के बीच 6,505 करोड़ रुपए से सात प्रोजेक्ट्स फंड किए थे। ये प्रोजेक्ट्स भारत सरकार की पार्टनरशिप में देश में काम कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि यूएसएआईडी ने इन्हीं सात प्रोजेक्ट्स के लिए वित्त वर्ष 2023-2024 में करीब 825 करोड़ रुपए का फंड दिए देने की बात कही थी। वित्त मंत्रालय के तहत डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स ने अपनी रिपोर्ट में 2023-24 में फंड किए गए प्रोजेक्ट्स की डिटेल शेयर की है। इस दौरान वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए कोई फंडिंग नहीं की गई। जिन प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग की गई वे कृषि और फूड सिक्योरिटी प्रोग्राम, पानी, सफाई और हाईजीन, रिन्यूएबल एनर्जी, डिजास्टर मैनेजमेंट और स्वास्थ्य से जुड़े हैं। अमेरिका की द्विपक्षीय विकास सहायता भारत के लिए 1951 में शुरू हुई थी। यह मुख्य रूप से यूएसएआईडी के जरिए से भेजी जाती है। इसके शुरू होने के बाद से यूएसएआईडी ने भारत में 555 से अधिक परियोजनाओं के लिए 1.47 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की आर्थिक मदद दी है। वॉशिंगटन डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में ट्रम्प ने लगातार पांचवे दिन भारत में अमेरिका से दी जा रही चुनावी फंडिंग पर बात की।

ट्रम्प ने कहा, 'भारत में चुनावों में मदद के लिए फंडिंग क्यों? क्यों न हम पुरानी पेपर बैलट प्रणाली पर लौट जाएं और उन्हें हमारे चुनावों में मदद करने दें?... उन्हें पैसे की जरूरत नहीं है।' बांग्लादेश में 250 करोड़ रुपए की फंडिंग पर उन्होंने कहा कि राजनीति को मजबूत करने और उनकी मदद करने के लिए दिए जा रहे हैं, ताकि वे एक कट्टरपंथी वामपंथी कम्युनिस्ट को वोट दे सकें। आपको देखना चाहिए कि उन्होंने किसका समर्थन किया।

वेस्ट बैंक में 23 साल बाद घुसे इजराइली टैंक

40 हजार शरणार्थी कैंप छोड़कर भागे; नेतन्याहू बोले- फिर जंग शुरू करने को तैयार

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के शहर जेनिन में इजराइली सेना ने रविवार को टैंक तैनात कर दिए। 23 साल बाद ऐसा हुआ है, जब सेना के टैंक वेस्ट बैंक में घुसे हैं। ऐसा आखिरी बार 2002 में हुआ था। जेनिन में पिछले कई सालों से इजराइल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष होते रहे हैं। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि हमने जेनिन के पास एक टैंक डिवीजन

तैनात की है। एक डिवीजन में 40 से 60 टैंक होते हैं। इजराइल ने फिलिस्तीन के जेनिन, तुलकरम और नूर शम्स में शरणार्थी शिविरों को खाली करा लिया है। इन शिविरों में फिलिस्तीनी नागरिकों ने शरण ले रखी थी। इन तीनों शिविरों से 40 हजार फिलिस्तीनियों को निकाला गया है। इजराइल ने इन्हें 21 जनवरी से निकालना शुरू कर दिया था। 1967 की इजराइल-अरब जंग के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी नागरिक विस्थापित हुए हैं। यहां संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार संस्था यूएनआरडब्ल्यूए को भी काम बंद करने का निर्देश दिया गया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सेना को अगले कुछ साल वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए यह जरूरी है। 58 सालों से इजराइल का वेस्ट बैंक पर कब्जा वेस्ट बैंक, जॉर्डन के पश्चिम और येरुशलम के पूरब में स्थित है। 1948 में अरब-इजराइल जंग के बाद जॉर्डन ने इस पर कब्जा कर लिया था। जॉर्डन नदी के पश्चिम में होने की वजह से तब इसका नाम वेस्ट बैंक रख दिया गया।

ईडी ने मेडिकल कॉलेज एडमिशन और बैंक घोटाले में जब्त किए करोड़ों रुपये लौटाये

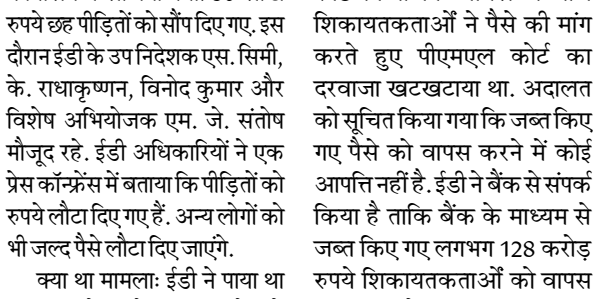

एजेंसी

ईडी ने केरल के काराक्कोनम मेडिकल कॉलेज और करुवन्नूर बैंक घोटाले में शिकायतकताओं को जब्त किए गए पैसे लौटाए.

कोच्चिः केरल के करक्कोणम सीएसआई मेडिकल कॉलेज में एडमिशन में धोखाधड़ी से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकायतकताओं से जब्त की गई रकम लौटा दी है. ईडी ने कहा कि लगभग 10 अन्य मामलों में भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है. जब्त की गई रकम शिकायतकताओं को लौटा दी जाएगी. ईडी कोच्चि क्षेत्र की उप निदेशक सिमी एस ने कहा, ₹वित्तीय अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ, मुकदमा पूरा होने से पहले शिकायतकताओं को धन वापस करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं.₹

क्या कहा ईडी नेः आरोपियों से जब्त धनराशि को ईडी के कोच्चि कार्यालय में लौटाया गया. 80 लाख रुपये छह पीड़ितों को सौंप दिए गए. इस दौरान ईडी के उप निदेशक एस. सिमी, के. राधाकृष्णन, विनोद कुमार और विशेष अभियोजक एम. जे. संतोष मौजूद रहे. ईडी अधिकारियों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पीड़ितों को रुपये लौटा दिए गए हैं. अन्य लोगों को भी जल्द पैसे लौटा दिए जाएंगे.

क्या था मामलाः ईडी ने पाया था कि करक्कोणम मेडिकल कॉलेज में मेडिकल दाखिले के लिए कथित रूप से रिश्वत ली गई थी और धन शोधन के लिए विदेशी मुद्रा विनियमों का उल्लंघन किया गया था. इसके आधार पर 11 एफआईआर दर्ज की गईं और जांच के बाद आरोप पत्र दाखिल किया गया. ईडी ने इस मामले में 95 लाख रुपये जब्त किए थे.

करुवन्नूर बैंक मामलाः करुवन्नूर बैंक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकायतकताओं को जब्त किया गया पैसा लौटाना शुरू कर दिया है. उप निदेशक बी. राधाकृष्णन ने स्पष्ट किया कि मामले में पांच शिकायतकताओं ने पैसे की मांग करते हुए पीएमएल कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. अदालत को सूचित किया गया कि जब्त किए गए पैसे को वापस करने में कोई आपत्ति नहीं है. ईडी ने बैंक से संपर्क किया है ताकि बैंक के माध्यम से जब्त किए गए लगभग 128 करोड़ रुपये शिकायतकताओं को वापस किया जा सके.

कुआं ही नहीं, संभल मस्जिद भी सरकारी जमीन पर

संभल मस्जिद कुआं विवाद में यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, 'कुआं मस्जिद के अंदर नहीं बल्कि सार्वजनिक भूमि पर स्थित है'.

सुप्रीम कोर्ट में योगी सरकार का बड़ा दावा

एजेंसी

नई दिल्लीः यूपी के संभल में शाही जामा मस्जिद के प्रवेश द्वार के पास स्थित कुआं सार्वजनिक भूमि पर बना है. यह मस्जिद के अंदर नहीं है और इसका मस्जिद से कोई संबंध नहीं है. यहां तक ??कि धार्मिक स्थल भी सार्वजनिक भूमि पर स्थित है. सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामा में ये बातें कहीं. राज्य सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता सार्वजनिक संपत्ति के संबंध में निजी अधिकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं.

पिछली सुनवाई में क्या हुआ थाः 10 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि संभल में शाही जामा मस्जिद के प्रवेश द्वार के पास स्थित कुएं के संबंध में यथास्थिति बनाए रखी जाए. भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने प्रतिवादियों को दो सप्ताह के भीतर अपने जवाबी हलफनामे और स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था. मामले की सुनवाई 25 फरवरी को निर्धारित की गई थी. वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने मस्जिद समिति का प्रतिनिधित्व किया था और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व किया था. उत्तर प्रदेश सरकार ने तर्क दिया कि उस स्थान के आसपास स्थिति शांतिपूर्ण थी, लेकिन आवेदक ने मुद्दा बनाने की कोशिश की.

तीन सदस्यीय टीम ने तैयार की रिपोर्टः राज्य सरकार ने कहा कि जिला प्रशासन ने संबंधित कुएं की स्थिति की जांच करने के लिए एसडीएम संभल, क्षेत्र अधिकारी, संभल और कार्यकारी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, संभल की तीन सदस्यीय समिति बनाई थी. रिकॉर्ड की जांच करने पर पता चला कि याचिकाकर्ता यह बताने में विफल रहा है कि विवादित धार्मिक स्थल की चारदीवारी के भीतर वास्तव में एक कुआं है जिसे स्थानीय रूप से 'यज्ञ कूप' के रूप में जाना जाता है. यह प्रस्तुत किया गया है कि उक्त 'यज्ञ कूप' में कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया है. 3 सदस्यीय समिति ने निरीक्षण में पाया कि संबंधित कुआं मस्जिद की चारदीवारी के बाहर स्थित है.ऐतिहासिक कुओं के संरक्षण की योजनाः राज्य सरकार ने कहा कि जिला प्रशासन संभल जिले में सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों को पुनर्जीवित करने की चल रही योजना में शामिल है, जिसमें 19 ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण कुओं का संरक्षण और जीर्णोद्धार शामिल है. यह कुआं 19 कुओं में से एक है. इसमें कहा गया कि ऐसे 14 कुओं के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है जिस पर 123.65 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है.कुआं की तस्वीर पेश कीः राज्य सरकार ने कहा कि मस्जिद समिति ने भ्रामक तस्वीरें संलग्न की हैं, जिनसे यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि संबंधित कुआं उसके परिसर के अंदर स्थित है. उसने संबंधित कुआं की कुछ तस्वीरें प्रस्तुत की, जिनसे पता चलता है कि यह मस्जिद के बाहर है. राज्य सरकार ने कहा कि मस्जिद समिति का आवेदन गलत है और सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष तथ्यात्मक गलतबयानी करता है।

जशपुर में नशे के नेटवर्क पर ऑपरेशन आघात, डेढ़ करोड़ की शराब बरामद, पंजाब से बिहार ले जाई जा रही थी शराब

जशपुर में पुलिस ने नशे के खिलाफ ऑपरेशन आघात में बड़ी कामयाबी हासिल की है.

एजेंसी

जशपुरः जशपुर में ऑपरेशन आघात के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. कुल डेढ़ करोड़ की शराब को जब्त किया है. यह शराब पंजाब से झारखंड लाई गई. झारखंड से इसे बिहार में सप्लाई के लिए ले जाया जा रहा था. शराब को पुलिस ने दुलदुला थाना क्षेत्र के लोरा घाट में पकड़का है. इस एक्शन में पुलिस ने एक ट्रक ड्राइवर को अरेस्ट किया है. पुलिस शराब सिंडिकेट को लेकर जांच कर रही है.मुखबिर की सूचना पर कार्रवाईः जशपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की है. पुलिस टीम को सचूना मिली की पंजाब से एक ट्रक शराब लेकर बिहार की ओर रवाना हुआ है. उसके बाद पुलिस टीम के लोग एक्टिव हो गए. ट्रक को ट्रैक किया गया।

प्रियंका गांधी का प्रधानमंत्री को पत्रः राहत पैकेज को अनुदान में बदलने का आग्रह

एजेंसी

नई दिल्लीः कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वायनाड भूस्खलन त्रासदी को लेकर घोषित राहत पैकेज को अनुदान में बदला जाए तथा इसके क्रियान्वयन की अवधि बढ़ाई जाए. उन्होंने यह भी कहा कि 529.50 करोड़ का राहत पैकेज पर्याप्त नहीं है तथा इस त्रासदी को 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित नहीं करने से वहां के लोगों में निराशा है. वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्र में 30 जुलाई 2024 को हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी. कई अन्य लोग घायल हुए थे. इस आपदा ने इन दोनों क्षेत्रों को लगभग पूरी तरह से तबाह कर दिया था. वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने पत्र में कहा कि वायनाड की सांसद के रूप में मुझे लगा कि यह मेरा कर्तव्य है कि मैं आपको अपने निर्वाचन क्षेत्र में चूरलमाला और मुंडक्कई के लोगों की दुर्दशा से अवगत कराऊं.यह वास्तव में हृदयविदारक है कि एक भयानक त्रासदी से उनका जीवन और आजीविका के नष्ट होने के छह महीने बाद भी वे अपने जीवन को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में अकल्पनीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं. उन्होंने भूस्खलन से हुई तबाही का उल्लेख करते हुए कहा कि केरल के सांसदों के लगातार आग्रह के बाद केंद्र सरकार ने हाल ही में तबाही के पीड़ितों के लिए 529.50 करोड़ रू के राहत पैकेज की घोषणा की है जो कि अपर्याप्त है.

पश्चिम रेलवे

एस्केलेटर्स की निगरानी एवं संचालन

वरि. डीईई/पी/बीसीटी द्वारा निविदा सूचना क्र. : ईएल-मेंटे.-166-138-डब्ल्यूए-17, दि. 21.02.2025 (दो लिफाफा प्रणाली) आमंत्रित की जाती है. कार्य एवं स्थान : मुंबई मंडल – 01 वर्ष हेतु विभिन्न स्टेशनों पर एस्केलेटर्स और लिफ्ट्स की निगरानी और संचालन. कार्य की अनुमानित लागत : रु. 3,24,20,736/-. ईएमडी : रु. 3,12,100/-. जमा करने की तिथि एवं समय : 19.03.2025 को 15.00 बजे तक. खुलने की तिथि एवं समय : 19.03.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें. 1113

Like us on: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

के.ई.एम. अस्पताल, परेल

केईएमएच/2527/एईएमई/दिनांक : 24.02.2025

ई-निविदा सूचना

विभाग	विभाग केईएम अस्पताल
बोली आमंत्रण क्र.	बोली क्र. : 2024_एमसीजीएम_1071332
विषय	दो वर्षों की अवधि हेतु के.ई.एम. अस्पताल में विभिन्न उपकरण की मरम्मत एवं सर्विसिंग हेतु दर ठेका.
बोली की बिक्री	दिनांक : 25.02.2025 को 16.00 बजे से
दिनांक	04.03.2025 को 16.00 बजे तक
वेबसाइट	http://portal.mcgm.gov.in
ए) संपर्क अधिकारी	सहायक अभियंता (यां. एवं वि.) केईएम
बी) नाम	श्री मनीषा जाधव / श्री केतन गावडे
सी) टेलीफोन	0224107768/7457
डी) ईमेल आईडी	ae02me.kem@mcgm.gov.in

हस्ता./-
डीन (केईएमएच)

पीआरओ/2621/विज्ञा./2024-25

जलजन्य बीमारियों से बचाव के लिये पानी उबालकर और छानकर पियें.

विभिन्न पर्व

पौष पूर्णिमा	मकर संक्रांत	मौनी आमावश्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्री
13/01/2025	14/01/2025	29/01/2025	03/02/2025	12/02/2025	26/02/2025

संक्षेप

दलित युवती से छेड़खानी और मारपीट का मामला

सुल्तानपुर में आरोपी ने घर में घुसकर की वारदात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लंभुआ में एक दलित युवती के साथ छेड़खानी और मारपीट की घटना सामने आई है।24 वर्षीय पीड़िता के अनुसार, रविवार शाम को वह अकेली घर पर थी। उसकी मां दुकान गई हुई थी। इसी दौरान गांव का रवि उपाध्याय उसके घर पहुंचा और छेड़खानी करने लगा। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और उसे मारने के लिए दौड़ा। युवती जान बचाकर घर के अंदर भागी। आरोपी वहां भी पहुंच गया और उसे मारने-पीटने लगा। युवती की आवाज सुनकर उसके पिता मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपी धमकी देकर फरार हो गया। बाद में आरोपी के पिता और चचेरे भाई भी पीड़िता के घर पहुंचे। उन्होंने भी जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए धमकियां दीं। सोमवार को जब पीड़िता अपनी मां के साथ थाने जा रही थी, तब भी उन्हें रास्ते में धमकाया गया। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस मामले में कार्रवाई करने से मना कर रही है। थानाध्यक्ष अखंडदेव मिश्रा का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। सोशल मीडिया पर मामले की जानकारी मिलने के बाद एक दरोगा को जांच के लिए भेजा गया है। वे रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

बोले- अधूरे पुल से महाकुंभ में यात्रियों को जाम में फंसना पड़ा, स्टेशन का सीसीटीवी खराब

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कांग्रेस ने लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर पखरौली स्थित अधूरे राष्ट्रीय राजमार्ग पुल और रेलवे स्टेशन के खराब सीसीटीवी कैमरों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि महाकुंभ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु काशी विश्वनाथ और अयोध्या दर्शन के लिए आए। इस दौरान अधूरे पुल निर्माण के कारण लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ा। सुल्तानपुर-जौनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह समस्या सबसे ज्यादा देखी गई। उन्होंने कहा कि वाराणसी और लखनऊ मार्ग पर टोल टैक्स की वसूली जारी रही। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के लिए लगे कैमरे खराब पड़े थे। इससे महाकुंभ जाने वाले लाखों यात्रियों की सुरक्षा को खतरा बना रहा। राणा ने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ प्रचार में व्यस्त रही। कार्यदायी संस्थाएं लाभ के चक्कर में निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं कर सकीं। उन्होंने मांग की कि सरकार इन संस्थाओं पर कार्रवाई करे। प्रदर्शन में शहर अध्यक्ष शकील अंसारी, होशिला प्रसाद भीम, सुब्रत सिंह, अतहर नवाब, पवन मिश्रा समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

महाकुंभ में बॉलीवुड स्टार का जमावड़ा

कैटरीना ने संतों का आशीर्वाद लिया; अक्षय कुमार बोले- 2019 के कुंभ में दिक्कतें थी, अबकी व्यवस्था अच्छी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

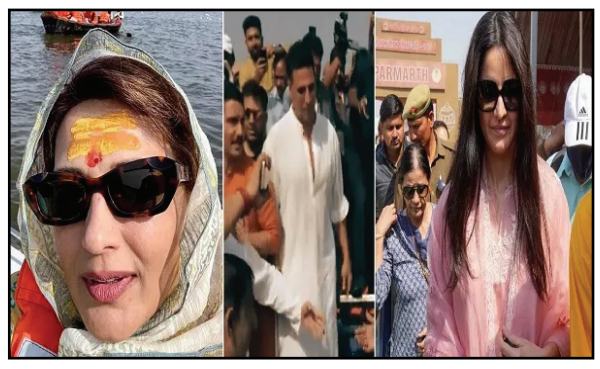

प्रयागराज, महाकुंभ में बॉलीवुड और अध्यात्म का अद्भुत संगम आज देखने को मिला। फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार अक्षय कुमार ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने भी स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचकर सनातन संस्कृति के पावन पर्व की सुखद अनुभूति प्राप्त की। साथ ही संगम में स्नान किया। अक्षय कुमार बोले- मैंने खूब आनंद लिया, अबकी व्यवस्था अच्छी संगम में स्नान करने के बाद बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने कहा- मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था अच्छी है, बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुंभ में लोगों को काफी दिक्कतें होती थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है। कैटरीना बोलीं- मैं बहुत खुश हूं अक्षय ने कहा- अंबानी और अडाणी समेत बड़े उद्योगपति, बड़े सितारे यहां आ रहे हैं, जिससे महाकुंभ की भव्यता और बढ़ गई है। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत से ही यह आयोजन इतना सफल हो पाया है। कैटरीना ने कहा- मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैं इस समय यहां पर आई। मैं बहुत खुश हूं। ये बहुत ही सुंदर जगह है। कैटरीना कैफ ने संतों का आशीर्वाद लिया बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने भी महाकुंभ में आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव किया। उन्होंने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उन्हें भगवान शिव की मूर्ति और रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा- जब बॉलीवुड जैसी लोकप्रिय इंडस्ट्री के सितारे महाकुंभ में आते हैं, तो यह युवाओं को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का काम करता है। यह संदेश देता है कि आध्यात्मिकता केवल साधु-संतों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग हो सकती है। साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा- युवा पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि अध्यात्म सिर्फ बुजुर्गों या साधु-संतों के लिए नहीं है। जब कैटरीना कैफ जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियां महाकुंभ में आती हैं, तो यह हमारे युवाओं को अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा देता है। परिवार संग संगम पहुंचीं सोनाली बेंद्रे बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे भी अपने परिवार के साथ महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने संगम में स्नान कर आस्था और अध्यात्म का अनुभव किया।

महाकुंभ भगदड़ में हुई मौतों की जांच भी करेगा आयोग

यूपी सरकार ने हाईकोर्ट में दी जानकारी, लापता लोगों का सही ब्योरा भी सामने आएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ में हुई मौत और संपत्ति हानि को भी आयोग द्वारा की जा रही जांच में शामिल कर हाईकोर्ट को जानकारी दे दी। इस घटना को लेकर दाखिल जनहित याचिका में कहा गया था कि सरकार द्वारा गठित जांच आयोग को सीमित जांच करने को कहा गया है। उसमें जन-धन हानि को शामिल नहीं किया गया है। केवल घटना कैसे घटी और भविष्य में ऐसी घटना न घटे इस पर रिपोर्ट देना था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुम्भ में 29 जनवरी को हुई भगदड़ की जांच न्यायिक निगरानी में करने और घटना के बाद लापता लोगों का सही ब्योरा देने की मांग हुई थी। जिसमें दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार से पूछा था कि न्यायिक आयोग की जांच का दायरा बढ़ाकर इसमें हताहतों की संख्या की पहचान करने और भगदड़ से संबंधित अन्य शिकायतों पर गौर करने को शामिल किया जा सकता है या नहीं। कोर्ट ने सरकार से इस संदर्भ में 24 फरवरी तक जानकारी मुहैया कराने को कहा था। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली एवं न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने कहा कि अब तक आयोग के कार्यक्षेत्र में भगदड़ के अन्य प्रासंगिक विवरणों की जांच शामिल नहीं है। राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कहा था कि आयोग भगदड़ के सभी पहलुओं की जांच करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है।

इस पर खंडपीठ ने कहा कि जब आयोग की नियुक्ति की गई थी, तो उसकी जांच के दायरे में हताहतों और लापता लोगों की संख्या पता लगाने के बिंदु नहीं थे। इसलिए इन बिंदुओं को अब आयोग की जांच में शामिल किया जा सकता है।

शादी में बैंड बजाकर चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

- पुलिस ने 7 चोरों को पकड़ा, 22 चोरी की बाइक बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस ने एक अनोखे बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने सात शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की 22 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरोह का सरगना जुनैद है, जिस पर गैंगस्टर समेत 13 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरोह के तीन अन्य सदस्यों पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बाकी तीन की आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच जारी है। गिरोह की खास बात यह है कि इसके दो सदस्य शादी समारोहों में बैंड बजाने का काम करते थे। वे इस दौरान वहां खड़ी बाइकों की रेकी करते थे। मौका मिलते ही उन्हें चुरा लेते थे। चोरी की बाइकों को वे अपने बेडरूम में छिपाकर रखते थे। गिरोह में एक कबाड़ी भी शामिल था। वह चोरी की बाइकों के पार्ट्स को अलग-अलग करके जिले और आसपास के इलाकों में बेचता था। अब तक की जांच में पता चला है कि चार बाइकें अयोध्या, सुल्तानपुर और आसपास के जिलों से चोरी की गई थीं। बाकी बाइकों के बारे में जांच चल रही है। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने एसपी कार्यालय में मामले का खुलासा किया।

महाशिवरात्रि को लेकर अमेठी के शिवालयों में तैयारी

श्रवण-धनिष्ठा नक्षत्र का संयोग, कई स्थानों पर मेला भी आयोजित होगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, महाशिवरात्रि को लेकर जिले भर के शिवालयों में भव्य तैयारियां चल रही हैं। 26 फरवरी बुधवार को मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि इस बार श्रवण और धनिष्ठा नक्षत्र के विशेष संयोग में होगी। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर और स्थानीय प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। सभी प्रमुख शिवालयों में रुद्राभिषेक, हवन, शिव पुराण पाठ और भजन संध्या का आयोजन होगा। श्रद्धालु सुबह से ही बेलपत्र, दूध, दही, घी, गंगाजल और शहद से भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। जिले के प्रमुख मंदिरों में पिंडारा गांव का शोभनाथ मंदिर, गोमती तट स्थित दंडेश्वर धाम, गौरीगंज का उल्टागढ़ा धाम और रोहसीबुजुर्ग का महामृत्युंजय धाम शामिल हैं। इसके अलावा तिलोई के झल्लेश्वर महादेव मंदिर और टीकर माफी स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग धाम में भी तैयारियां जोरों पर हैं। मां कालिका धाम के पीठाधीश्वर श्री महाराज के अनुसार, इस वर्ष महाशिवरात्रि का शुभ मुहूर्त वैदिक मान्यताओं में भगवान शिव को चतुर्दशी तिथि का स्वामी माना जाता है। इसलिए यह दिन शिव उपासना के लिए विशेष फलदायी है। अमेठी शहर में दुखहरण धाम, गौरीगंज के दूधनाथ, बाबा झारखंड, गौरीपुर के गौरीशंकर मंदिर समेत कई अन्य शिवालयों में भी जलाभिषेक और मेला आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

बंद फैक्ट्री से 22 बाइक बरामद

- 7 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, नंबर प्लेट और चेसिस बदलकर बेचते थे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने एक अंतर्जनपदीय बाइक चोर गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की 22 मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। टिकरिया चौराहे के पास स्वाट टीम प्रभारी अनूप सिंह और सब इंस्पेक्टर विवेक सिंह रात में चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान तीन बाइक पर सवार चार संदिग्ध मिले। पूछताछ में उन्होंने बताया कि बेलखोर रोड की एक बंद फैक्ट्री में उनके चार और साथी चोरी की 19 बाइक की रखवाली कर रहे हैं। सुनसान इलाके में छिपाते हैं पकड़े गए चोरों में जुनैद, अरमान, मुशर्रफ अली उर्फ ननकू, मोइन खान, सुरजीत कुमार, मोहम्मद पट्टन और रफीक अहमद शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पुलिस जांच में पता चला कि यह गिरोह बाइक चोरी कर सुनसान इलाकों में छिपाता था। फिर नंबर प्लेट और चेसिस नंबर बदलकर बाइक बेच देता था। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शहरों में प्रदूषण रोकने की नई पहल

जापानी मियावाकी पद्धति से बनेंगे घने जंगल, हर 1.5 से 10 मीटर पर लगेंगे पेड़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

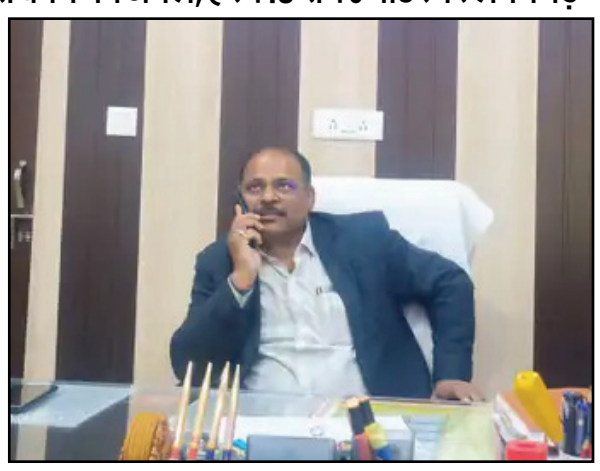

अमेठी जिला, शहरी क्षेत्रों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक नई पहल की जा रही है।

शासन के निर्देश पर जापान की मियावाकी पद्धति से डेंस फॉरेस्ट की स्थापना की जाएगी। इस योजना को आगे बढ़ाते हुए अमेठी के डीएफओ रणवीर मिश्र ने जिले की सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को पत्र लिखा है।

उन्होंने जमीन उपलब्ध कराने की मांग की है। योजना के तहत नगर निगम में दो एकड़ और नगर पालिका और नगर पंचायत में एक-एक एकड़ जमीन पर घने जंगल विकसित किए जाएंगे। मियावाकी पद्धति के अनुसार पेड़ों की विभिन्न परतें बनाई जाएंगी। हर 10 मीटर की दूरी पर बरगद, आम, पाकड़ और गूलर जैसे बड़े पेड़ लगाए जाएंगे। डेंस फॉरेस्ट बनाने की प्रक्रिया होगी शुरू तीन मीटर की दूरी पर जामुन और नीम के पेड़ लगेंगे। साथ ही हर डेढ़ मीटर पर नींबू और करौंदा जैसे छोटे पेड़ों का रोपण किया जाएगा। डीएफओ का कहना है कि जैसे ही जमीन उपलब्ध होगी, डेंस फॉरेस्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस पहल से शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद है।

भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष की दबंगई

- पार्क की सफाई कर रहे लोगों पर की फायरिंग, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने पार्क की सफाई कर रहे लोगों पर फायरिंग कर दी। नगर कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारी रोड स्थित एक भूखंड पर राजेश गुप्ता ने गेट लगवाकर कब्जा कर लिया था। मोहल्लेवासियों की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जांच कराई। जांच में पता चला कि यह जमीन बांदा विकास प्राधिकरण में पार्क के रूप में दर्ज है। जिला प्रशासन ने राजेश गुप्ता को कब्जा हटाने का आदेश दिया था। आज मोहल्लेवासी श्रमदान कर पार्क की सफाई करा रहे थे। इसी दौरान राजेश गुप्ता अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने एसपी सिंह उमाकांत समेत कई लोगों को सफाई करने से रोका। विवाद बढ़ने पर राजेश गुप्ता ने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल निकालकर फायरिंग कर दी। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में माफिया राज खत्म करने का अभियान चला रहे हैं। वे लगातार अपनी पार्टी के लोगों को भी गलत कामों से दूर रहने की हिदायत दे रहे हैं।

शादी की तैयारियों के दौरान दबंगों का हमला

बांदा में पुलिस लाइन के पास परिवार पर किया पथराव, पिता समेत कई घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, पुलिस लाइन के निकट एक परिवार पर दबंगों द्वारा किए गए हमले का मामला सामने आया है। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र में हुई, जहां गंगादीन की बेटी की अगले दिन शादी थी। वैवाहिक रस्मों के दौरान मोहल्ले का दबंग अनुराग पटेल अपने पांच साथियों के साथ वहां पहुंचा। उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब परिवार ने इसका विरोध किया, तो दबंगों ने गंगादीन, उनकी पत्नी सीमा और दोनों बेटों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पथराव भी किया, जिसमें गंगादीन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि अनुराग और उसके करीब आधा दर्जन साथी आए दिन शराब पीकर गुंडागर्दी करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

दलित युवती ने एसपी से लगाई गुहार

पीड़िता बोली- पति दूसरी शादी की तैयारी में, जाति को लेकर किया प्रताड़ित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर,एक दलित युवती ने न्याय के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली की रहने वाली युवती ने बताया कि बल्दीराय थाना क्षेत्र के पुरे कानपुरिहा निवासी अमित यादव से उनकी पहचान दिल्ली में हुई थी। अमित ने युवती से शारीरिक संबंध बनाए और कई बार गर्भपात भी करवाया। शादी के लिए दबाव बनाने पर अमित ने अगस्त 2024 में आर्य समाज मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी कर ली। शादी के बाद जब अमित के भाई-भाभी को पता चला कि युवती दलित समाज से है, तो उन्होंने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और दहेज की मांग करने लगे। इस बीच अमित कुंभ स्नान का बहाना बनाकर दिल्ली से सुल्तानपुर आ गया।

मुसाफिरखाना में दिव्यांगों की बैठक

6 माह से पेंशन न मिलने से नाराजगी, आंदोलन की बनाई योजना; राज्यपाल को सौंपेंगे ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी , मुसाफिरखाना में सशक्त दिव्यांग आत्मनिर्भर समिति के बैनर तले दिव्यांगों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। गांधी पार्क में आयोजित इस बैठक में सैकड़ों दिव्यांग एकजुट हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष का संकल्प लिया। दिव्यांगों ने आवास और पेंशन जैसी सरकारी योजनाओं में अधिकारियों द्वारा किए जा रहे शोषण पर रोष जताया। उनका कहना है कि सरकारी कार्यालयों में उनकी सुनवाई नहीं होती। अधिकारी उन्हें परेशान करते हैं।

20 शातिर अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट

गैंगस्टर-गुंडा एक्ट गौतस्करों पर कार्रवाई, पुलिस की रहेगी विशेष निगरानी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर 20 शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। इन अपराधियों में करौंदीकला थाना क्षेत्र के प्रभात सिंह उर्फ प्रान्सू और सूरज सिंह शामिल हैं। गोसाईगंज थाना क्षेत्र से बाबी सिंह, इकराम उर्फ इकरामुद्दीन और जाबाज की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। बन्धुआकला थाना क्षेत्र से मोहम्मद तस्लीम, कादीपुर से प्रेम और शुभम उर्फ बवाली दूबे, कोतवाली देहात से मुसीद अहमद की निगरानी की जाएगी। कूरेभार थाना क्षेत्र से अमित यादव और अखण्डनगर से गुलशन व प्रिन्स राजभर शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई,400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।